आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

इंदौर, शुक्रवार 26 दिसंबर 2025

■ वर्ष : 5 ■ अंक : 52

■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक

इंदौर संकेत

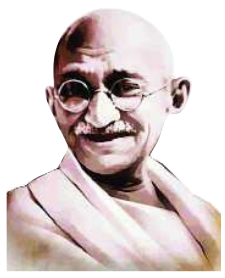

राष्ट्रपिता को नमन...

अंदर के पन्नों पर...

डेंटल कॉलेज में लगेगी सीबीसीटी मशीन

पेज-2

कम समय में तमन्ना ने हासिल किया मुकाम

पेज-5

हाईकोर्ट ने पुलिस कमिश्नर को किया तलब

पेज-6

न्यूज ब्रीफ

- ईडी ने ब्रिटेन में बैठे इस्लामिक प्रीचर शम्सुल हुदा के खिलाफ दर्ज किया मनी लॉन्ड्रिंग का केस
- दिल्ली के मुकरबा चौक पर बुलेट प्रूफ गाड़ी और अवैध हथियार के साथ दो गिरफ्तार
- राजस्थान के चौमूं में मस्जिद के बाहर पत्थर हटाने पर बवाल, आधी रात पथराव-लाठीचार्ज
- पटना के 10 सर्कुलर रोड आवास से शिफ्ट होने लगा लालू परिवार का सामान
- गुजरात के कच्छ में महसूस हुए भूकंप के झटके, रिक्टर स्केल पर 4.4 थी तीव्रता
- उज्जैन में सिमहस्थ कुंभ के लिए लैंड पूलिंग योजना के विरोध में आज बीके का प्रदर्शन
- आज से ट्रेन टिकट महंगे, साधारण और मेल-एक्सप्रेस क्लास के किराए में बढ़ोतरी लागू
- कोलकाता के साउथ कलकत्ता लॉ कॉलेज गैंगरेप केस की सुनवाई आज से होगी शुरू
- इंडिगो आज से फ्लाइट कैंसिलेशन से प्रभावित यात्रियों को देगा 10 हजार का ट्रैवल वाउचर

शाह ने राजनीतिक अटकलों पर लगाया पूर्ण विराम

आशीष गुप्ता : 9425064357

ग्वालियर ● दैनिक इंदौर संकेत

● बीजेपी के चाणक्य माने जाने और देश के गृह मंत्री अमित शाह ने ग्वालियर यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की तारीफ कर प्रदेश के सभी सूरमाओं और राजनीतिक समीक्षकों को साफ-साफ मैसेज दे दिया कि वर्ष 2028 तक प्रदेश में नेतृत्व परिवर्तन की उम्मीद करना व्यर्थ है।

सूत्रों के अनुसार गत कुछ माह से जिस तरह से प्रदेश के वरिष्ठ मंत्री अफसरशाही के हावी होने, मंत्री के निर्देशों को उनके ही मातहत नहीं सुन रहे, जैसे शिकायतों को लेकर सार्वजनिक तौर पर बयानबाजी कर रहे थे और बार-बार मुख्यमंत्री की दिल्ली यात्रा से प्रदेश के भगवा राजनीतिक क्षेत्र में नेतृत्व परिवर्तन की हल्की-फुल्की सुगबुगाहट चल रही है, जिससे कल अमित शाह ने डॉ. मोहन यादव की तारीफ के पुल बांधकर इन अटकलों पर पूर्ण विराम लगा दिया।

अमित शाह ने मंच से सीएम डॉ. मोहन यादव को भी शाबाशी दी, लेकिन मामाजी से तुलना करके। शाह ने दिग्विजय सिंह का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि एक

जमाने में दिग्विजय सिंह का शासन था। मध्य प्रदेश बीमारू राज्य बनकर रह गया था। शिवराजजी ने मध्य प्रदेश से बीमारू का टैग हटाया। अब डॉ. यादवजी शिवराजजी से भी ज्यादा ऊर्जा के साथ इसे आगे बढ़ाने का काम कर रहे हैं।

सिंधिया को राजा साहब कहकर दिए नए संकेत

ग्वालियर में अपने दौरे में बीजेपी को नई ऊंचाई पर ले जाने वाले अमित शाह ने ज्योतिरादित्य स्कन्दीय को राजा साहब कहकर प्रदेश की राजनीतिक ऐसे लोगों के मुंह बंद कर दिए जो सिंधिया के राजनीतिक भविष्य को लेकर प्रश्न चिन्ह लगा रहे थे। ग्वालियर आए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंच से जैसे ही ज्योतिरादित्य सिंधिया को राजा साहब कहकर पुकारा, पूरा पंडाल तालियों से गूंज उठा। भाजपा में नंबर दो की हैसियत रखने वाले अमित शाह का सिंधिया को उनके ही शहर में ऐसा कहना उनके लिए किसी बड़े आशीर्वाद से कम नहीं है। वो भी तब जब कांग्रेस के लोग अकसर कहते हैं कि महाराज सिंधिया भाजपा में जाकर भाई साहब हो गए हैं।

विपिन वानखेड़े के लिए जिला कांग्रेस का पद बना चुनौती

बाहरी होने के कारण ग्रामीण क्षेत्र में लोकेशन से पहुंच रहे जिला अध्यक्ष

निलेश चौहान : 94250-77209

देपालपुर ● दैनिक इंदौर संकेत

देश से लेकर प्रदेश तक कांग्रेस की हालात खराब है। ना कार्यकर्ता है, ना कोई विजन है। देखा जाए तो इंदौर जिले की स्थिति कांग्रेस के लिए बड़ी चिंताजनक है। जिले की सभी सीटों पर भाजपा का कब्जा है। इंदौर में लड़ाई लड़ने के लिए इंदौर जिले के मजबूत नेताओं को जिम्मेदारी कांग्रेस को देना पड़ेगी, लेकिन कांग्रेस ने संगठन सृजन के तहत जिला अध्यक्ष पद पर पैराशूट नेता विपिन वानखेड़े को जिला अध्यक्ष बना दिया था। उसी दिन कांग्रेसियों को लग गया था कि कांग्रेस के पास जो कार्यकर्ता हैं, वह अब काम नहीं करेंगे, जिसका मुख्य कारण है इंदौर के नेताओं को संगठन और पार्टी के नेताओं ने महत्व नहीं दिया, तब से कांग्रेस के जिला अध्यक्ष विपिन वानखेड़े जिले में अकेले पड़ गए। अब तक कोई बड़ा विरोध प्रदर्शन वह इंदौर जिले में नहीं कर पाए, ना टीम बना पाए, ना कार्यकर्ताओं को जोड़ पाए, उन्हें तो ग्रामीण क्षेत्र के गांव ही पता नहीं। जानकारी में यह भी पता चला पहले वानखेडे मोबाइल पर लोकेशन बुलवाते हैं फिर कार्यकर्ताओं से मिलने पहुंचते हैं। देखा जाए तो हर एक विधानसभा में 200 बूथ है। वानखेडे वहां भी नहीं पहुंच पा रहे हैं फिर कैसे 2028 में होने वाले विधानसभा में काम करेंगे? जिला अध्यक्ष अपने बूथ ब्लॉक और मंडल के अध्यक्षों को नहीं संभाल पा रहे हैं।

जिले में जिन कांग्रेसियों का वर्चस्व है। उनसे वानखेड़े की पटरी नहीं बैठती। सूत्र बताते हैं कि जिन्होंने पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को हराया था, उनको वानखेडे साथ में लेकर घूमते रहते

वर्चस्व वाले नेताओं ने उन्हें पहले ही दूर कर रखा है। वानखेड़े के पास सांवेर में नेता नहीं है। तुलसी सिलावट कांग्रेस से भाजपा में जाने के बाद डबल मजबूत हो गए हैं। उनसे लड़ना कांग्रेस के लिए आसान नहीं। देपालपुर का भी यही हाल है। पटेल परिवार ने देपालपुर से लेकर दिल्ली तक वानखेडे का खुलकर विरोध किया था। इस विरोध से बात चली थी कि जल्द ही इंदौर का जिला अध्यक्ष बदला जाएगा, लेकिन जीतू पटवारी और कंपनी को मंजूर नहीं था, क्योंकि विपिन को जिला अध्यक्ष बनवाने में जीतू पटवारी का अहम योगदान था। विपिन वानखेड़े के लिए जिला अध्यक्ष पद अब चुनौती दे रहा है। बड़े नेता विपिन को भाव नहीं दे रहे हैं, अब देखना होगा कि विपिन कैसे जिले की कांग्रेस को चलाते हैं? क्या वह अपनी टीम बना पाएंगे? क्या आने वाले समय में कांग्रेस को जीत दिला पाएंगे? विपिन के लिए सबसे बड़ी चुनौती महू सांवेर और देपालपुर है।

अब प्रदेशभर में कंट्रोल दुकानें बनेंगी जनरल स्टोर

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● कंट्रोल दुकानों को अब जनरल स्टोर की तरह संचालित करवाया जाएगा, जहां पर राशन के अलावा अन्य उपभोक्ता सामग्री बिकेगी, जिससे कंट्रोल संचालकों को भी अतिरिक्त आमदनी होगी और वे कंट्रोल राशन में गड़बड़ी भी नहीं करेंगे, क्योंकि कंट्रोल दुकानों का संचालन लगातार महंगाई के चलते महंगा होने लगा है। इंदौर से शुरू हुआ पायलट प्रोजेक्ट अब प्रदेश के 13 जिलों में चलेगा और मुख्यमंत्री पोषण केन्द्र के रूप में संचालित होंगी।

इन दिनों सभी मंत्री अपने-अपने विभागों के दो साल का लेखा-जोखा मीडिया को प्रस्तुत कर रहे हैं। इसी कड़ी में कल खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री ने जानकारी देते हुए बताया कि अब सीएम पोषण मार्ट के तहत भोपाल सहित अन्य जिलों में भी यह योजना लागू की जा रही है, जिसमें कंट्रोल दुकानों पर राशन के साथ-साथ किराना, जनरल स्टोर और अन्य उपभोक्ता सामग्री मिल सकेगी। इससे कंट्रोल संचालकों की आय बढ़ने और उपभोक्ताओं को भी एक ही जगह सभी आवश्यक सामान की आपूर्ति हो सकेगी। यह भी उल्लेखनीय है कि इंदौर से ही इसका पायलट प्रोजेक्ट प्रदेश में सबसे पहले जहां पर 30 कंट्रोल दुकानों पर जनपोषण केन्द्र शुरू करवाए गए।

कहां जाएंगे 37 बाघ और 89 तेंदुए?

रेल परियोजना के लिए जंगल काटने की तैयारी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंसानी जरूरतों ने हमेशा ही वन्यजीवों को प्रभावित किया है, जिसकी वजह से वाइल्डलाइफ हमेशा ही खतरे में पड़ा है। जहां इंदौर में हुई वन्यजीव गणना खुशी का संकेत दे रही है, वहीं दूसरी ओर जंगलों को काटने की बात की जा रही है। इंदौर वन मंडल की चोरल रेंज में हाल ही में वन्यजीवों की गिनती की गई।

इस गिनती में बाघ और तेंदुओं की मौजूदगी साफ तौर पर देखने को मिली है। जो कि बेहद खुशी का विषय है। यहां बड़ी संख्या में मिले पगमार्क बताते हैं कि यह इलाका जंगली जानवरों के रहने और आने जाने के लिए बहुत जरूरी है। लेकिन इसी के साथ एक चिंता की बात भी सामने आई है। आने वाले समय में यहां से रेल लाइन निकाली जाएगी, जिसके लिए घना जंगल काटा जाएगा। इससे जंगल में रहने वाले जानवरों की जिंदगी पर सीधा असर पड़ेगा।

चोरल रेंज में ज्यादा बाघ और तेंदुए

18 से 24 दिसंबर के बीच हुई गिनती में चोरल रेंज में बाघों के 37 और तेंदुओं के 89 पगमार्क मिले। यह संख्या इंदौर वन मंडल की सभी रेंज में सबसे ज्यादा है। 18 दिसंबर को ही बाघों के 13 और तेंदुओं के 28 पगमार्क मिले थे। इसके बाद 19 और 20 दिसंबर को भी पगमार्क मिलते रहे। इससे साफ है कि इस इलाके में बाघ और तेंदुओं की आवाजाही बनी रहती है। जो कि वन्यजीवों के लिहाज से बेहद खुशी की बात है।

रेल लाइन से कटेगा जंगल

अगले साल यानी 2026 में महू से सनावद तक नई रेल लाइन बनाई जानी है। इसके लिए चोरल और महू इलाके का करीब 495 हेक्टेयर घना जंगल काटा जाएगा। इस दौरान लगभग 2.5 लाख पेड़ कटने की आशंका है। जिन जगहों पर बाघ और तेंदुओं के पगमार्क मिले हैं, वही जगहें इस रेल लाइन से प्रभावित होंगी। जंगल कटने से जानवरों को दूसरी जगह जाना पड़ेगा।

आईडीए के खाली मकान और फ्लैट बने नशाखोरों के अड्डे

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर विकास प्राधिकरण द्वारा अपनी विभिन्न स्कीमों में बनाए गए फ्लैट, मकान और रो हाउस वर्तमान में असामाजिक तत्वों के लिए जन्नत बने हुए हैं, जिससे रहवासी परेशान और असुरक्षित हैं। ये वो आवास हैं, जो आईडीए की अलग-अलग स्कीमों में गरीबों के लिए बनाए थे। इनकी कीमत 14 से 55 लाख रुपए तक है। लगभग 20 से 22 साल पहले बने इन आवासों को कोई खरीदार अब तक नहीं मिल सका है, जिसके कारण ये जर्जर अवस्था में पहुंच गए हैं। आईडीए की ये सम्पत्तियां स्कीम नम्बर 155, 134, 136, 144, और 78 प्रथम पिंक सिटी हैं। रहवासियों का कहना है कि आईडीए की लापरवाही हमारे लिए जानमाल के लिए खतरा हो सकती है, क्योंकि जो फ्लैट और रो हाउस बिके नहीं है, वहां असामाजिक तत्व नशाखोरी करते हैं, वहीं दूसरी ओर आईडीए का कहना है कि सम्पत्तियों का रखरखाव लगातार किया जाता है।

रिपेयर करके बेचे फ्लैट

स्कीम नम्बर 136 में रहवासियों ने बताया कि मल्टी में कई फ्लैट खाली है। यहां आईडीए हरसिंगार और अमलतास के नाम से मल्टी स्टोरी इमारत बनाई, जिसने तकरीबन 600 फ्लैट है. 60 प्रतिशत फ्लैट खाली है। लोगों का कहना कि सुविधाएं कमजोर है। गार्ड पूरे समय तैनात नहीं रहते हैं। महिलाएं असुरक्षित महसूस करती है, वहीं स्कीम नम्बर 134 में रो हाउस आईडीए ने 14 से 16 लाख रु. में बेचे थे, कुल 32 री हाउस यहां थे। यहा भी हालात वैसे ही है। स्कीम नम्बर 155 टिंगरिया बादशाह में आईडीए ने 500 फ्लैट बनाए हैं।

56 रो हाउस खाली और असुरक्षित

स्कीम नम्बर 78 प्रथम की निवासी सीमा पाटिल ने बताया कि आईडीए द्वारा 2004 में रो हाउस बनाए गए थे, जिसमें से कई से हाउस आज तक नहीं बिके, ये खाली और लावारिस हालत में पड़े हैं, इनके खिड़की दरवाजे, नल सहित अन्य सामान चोरी हो गया। आईडीए के अधिकारी इस ओर ध्यान नहीं देते। यहां 56 रो हाउस खाली है। यहां आए दिन असामाजिक तत्व नाशाखोरी करते है। एक सप्ताह पहले ही यहां कुछ लोगों ने बैठकर शराबखोरी की, जिसकी सूचना पुलिस की दी गई थी। पुलिस आने से पहले बदमाषा भाग खड़े हुए। आईडीए के अधिकारियों से अनुरोध है, ऐसी सम्पत्तियों की सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाई जाए।

शेष बचे 06 दिन... साल 2025 की यादें होगी ताजा 'दैनिक इंदौर संकेत' के साथ

इंदौर ● दैनिक इंदौर संकेत। इंदौर में न्यायालय की सख्ती के बाद अगस्त माह में 'नो हेलमेट नो पेट्रोल' का नियम लागू किया गया था। यह नियम 1 से डेढ़ माह तक चला, इस दौरान पेट्रोल पंप पर बिना हेलमेट वाहन चालकों को पेट्रोल नहीं मिला। कई पेट्रोल पंपों को सील भी किया गया। लंबे समय के बाद इंदौर शहर में इस तरह पेट्रोल को लेकर मारा-मारी देखी गई। हालांकि वर्ष के जाते-जाते यह नियम खत्म हो गया।

विवादित बोल कांग्रेस ने किया बचाव, भाजपा हुई आक्रामक

दीपक जोशी के विवाह पर कांग्रेस नेता मुकेश नायक का विवादित बयान

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● मध्यप्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री दीपक जोशी की 4 शादियां सुर्खियों में हैं। इस बीच चौथी पत्नी पल्लवी सक्सेना के कांग्रेस से जुड़ी होने की खबरें सामने आने के बाद कांग्रेस के मीडिया प्रभारी मुकेश नायक का बेतुका बयान सामने आया है। मुकेश नायक ने कहा है कि दीपक जोशी कांग्रेस के तो गए ही साथ में कांग्रेस से एक लुगाई और ले गए।

मुकेश नायक के बयान पर बवाल-मुकेश नायक के बयान पर बवाल होने के बाद कांग्रेस ने सफाई दी है। भूपेंद्र गुप्ता ने इशारों में ही बीजेपी पर तंज कसते हुए कांग्रेस का बचाव किया है, जबकि भाजपा नेताओं का कहना है कि मुकेश नायक इस उम्र में सठिया गए हैं।

पूर्व मंत्री दीपक जोशी पर चौथी शादी के आरोप लग रहे हैं। 4 दिसंबर को उन्होंने कांग्रेस नेत्री पल्लवी राज सक्सेना से शादी रचाई है। इसके बाद पूर्व पत्नियां सामने आने लगी हैं। साथ ही दीपक जोशी के साथ हुई शादी की तस्वीरें दिखा रही हैं। वहीं, इन आरोपों के बीच कांग्रेस नेत्री पल्लवी सक्सेना ने अपनी शादी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर सार्वजनिक की है। इसमें शादी की रस्मों से लेकर घूमने-फिरने तक की है।

शादी 4 दिसंबर को हुई , तस्वीरें 20 दिसंबर को सामने आई-बताया जा रहा है कि, यह शादी 4 दिसंबर को हुई थी, लेकिन तस्वीरें 20 दिसंबर को सामने आईं। इस बीच, दो अन्य महिलाएं भी दीपक जोशी से शादी करने का दावा कर चुकी हैं, जिससे यह मामला राजनीतिक गलियारों में भी गरमा गया है। हाटपिपल्या से बीजेपी विधायक मनोज चौधरी ने इस मामले में प्रशासन से स्वत: संज्ञान लेने और कार्रवाई की मांग की है, क्योंकि उन्हें चार शादियों की जानकारी सोशल मीडिया से मिली है।

न्यूज ब्रीफ

राष्ट्रीय ग्राहक दिवस का आयोजन इंदौर जिला कलेक्टर कार्यालय में संपन्न

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● 24 दिसंबर 1986 को भारत के पहले उपभोक्ता कानून उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986 के लागू होने के उपलक्ष्य में प्रतिवर्ष राष्ट्रीय ग्राहक दिवस मनाया जाता है। इसी क्रम में इंदौर जिले का शासकीय आयोजन जिला कलेक्टर कार्यालय स्थित सभागार क्रमांक 210 में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उपभोक्ता आयोग इंदौर (क्रमांक 1 एवं 2) के अध्यक्ष श्री विकास राय ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में इंदौर जिलाधीश श्री शिवम वर्मा , जिला खाद्य अधिकारी श्री एम एल मारू उपस्थित रहे। अतिथियों में ग्राहक पंचायत के प्रांत अध्यक्ष श्री देवेंद्र दुबगे, सचिव श्री बहादुर सिंह राजपूत एवं पं. डी.जी. मिश्र शामिल रहे। इस अवसर पर अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के प्रांत संगठन मंत्री मुकेश कौशल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए बताया कि अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत वर्ष 1974 से संपूर्ण भारत में शोषणमुक्त समाज की स्थापना हेतु निरंतर कार्य कर रही है।

नि:शुल्क रेबीज टीकाकरण शिविर का आयोजन 27 को

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● पशुपालन एवं डेयरी विभाग तथा प्रांतीय राजपत्रित पशु चिकित्सक संघ द्वारा नि:शुल्क रेबीज टीकाकरण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। संघ के डॉ. अमृतलाल शर्मा ने बताया कि यह शिविर शनिवार, 27 दिसम्बर को पशु चिकित्सालय, राजमोहल्ला पर प्रात: 9 बजे से दोपहर एक बजे तक आयोजित किया जायेगा। नागरिकों से अपील की गई है कि वे इस शिविर का लाभ उठायें।

भावांतर योजना में सोयाबीन का मॉडल रेट 4235 रुपए जारी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● भावांतर योजना 2025 के अंतर्गत सोयाबीन विक्रेता किसानों के लिए मॉडल रेट नियमित रूप से जारी किया जा रहा है। गुरुवार 25 दिसंबर को 4235 रुपए प्रति क्विंटल का मॉडल रेट जारी किया गया है। यह मॉडल रेट उन किसानों के लिए है जिन्होंने अपनी सोयाबीन की उपज मंडी प्रांगणों में विक्रय की है। इस मॉडल रेट के आधार पर ही भावांतर की राशि की गणना की जाएगी। मॉडल रेट और न्यूनतम समर्थन मूल्य के भावांतर की राशि राज्य सरकार द्वारा दी जा रही है। सोयाबीन का पहला मॉडल रेट 7 नवंबर को 4020 रुपए प्रति क्विंटल जारी किया गया था। इसी तरह 8 नवंबर को 4033 रुपए, 9 और 10 नवंबर को 4036 रुपए, 11 नवंबर को 4056 रुपए, 12 नवंबर को 4077 रुपए, 13 नवंबर को 4130 रुपए, 14 नवंबर को 4184 रुपए, 15 नवंबर को 4225 रुपए, 16 नवंबर को 4234 रुपए, 17 नवंबर को 4236 रुपए, 18 नवंबर को 4255 रुपए, 19 नवंबर को 4263 रुपए, 20 नवंबर को 4267 रुपए, 21 नवंबर को 4271 रुपए, 22 नवंबर को 4285 रुपए, 23 एवं 24 नवंबर को 4282 रुपए, 25 नवंबर को 4277 रुपए, 26 नवंबर को 4265 रुपए, 27 नवंबर को 4252 रुपए, 28 नवंबर को 4260 रुपए, 29 नवंबर को 4240 रुपए और 30 नवंबर को 4237 रुपए प्रति क्विंटल का मॉडल रेट जारी किया गया था।

'अभ्युदय एम.पी. ग्रोथ समिट-2025' का आयोजन किया

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मध्यप्रदेश को सम्पन्न सुखद और सांस्कृतिक मध्यप्रदेश बनाए जाने के दीर्घकालीन लक्ष्य की प्राप्ति के लिए निरन्तर प्रदेश में चहुमुखी औद्योगिक विकास के प्रयास किए गए। प्रदेश के हर संभाग में औद्योगिक समिट रीजनल इण्डस्ट्री कॉन्क्लेव, टेक कॉन्क्लेव अथवा ग्रोथ समिट के रूप में की गई। देश के विभिन्न राज्यों एवं विदेशी निवेश आकर्षित करने हेतु मुख्यमंत्री डॉ.यादव के नेतृत्व में लगातार कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसी कड़ी में वर्ष 2025 को उद्योग एवं रोजगार वर्ष घोषित किया गया था।

जिले में मतदाता सूची के एसआइआर का कार्य सतत जारी

दावे और आपत्तियों की सुनवाई केंद्रों पर मतदाताओं के लिए विशेष व्यवस्था

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● जिले में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत दावे-आपत्तियों की सुनवाई हेतु बनाए गए केंद्रों पर मतदाताओं की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। इसी क्रम में उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं अपर कलेक्टर नवजीवन विजय पंवार ने विभिन्न सुनवाई केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान सहायक उप जिला निर्वाचन अधिकारी अजीत श्रीवास्तव सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने बताया कि जिले में गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन किया जा चुका है। इसके पश्चात मैपिंग से संबंधित मतदाताओं को नोटिस जारी किए जा रहे हैं, जिनकी सुनवाई के लिए नवाचार के

निर्वाचन अधिकारी ने लिया जायजा

तहत समुचित और सुव्यवस्थित इंतजाम किए गए हैं।

सुनवाई केंद्रों पर मतदाताओं के लिए बैठने की व्यवस्था, छाया, पेयजल सहित सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। साथ ही, प्रत्येक केंद्र पर कंप्यूटर एवं प्रशिक्षित कंप्यूटर ऑपरेटर की व्यवस्था की गई है, ताकि दावे-आपत्तियों का त्वरित और पारदर्शी निराकरण सुनिश्चित किया जा सके। जिला प्रशासन ने मतदाताओं से अपील की है कि वे निर्धारित तिथियों में अपने नोटिस के अनुसार उपस्थित होकर सुनवाई में भाग लें, ताकि मतदाता सूची को शुद्ध, अद्यतन और त्रुटिरहित बनाया जा सके।

जिले में कुल 58 केंद्र बनाए गए-प्रारूप मतदाता सूची के संबंध में दावे आपत्ति प्राप्त करने का कार्य आगामी 22 जनवरी तक चलेगा। इसके लिए जिले में 58 केन्द्र बनाए गए हैं। केन्द्रों पर मतदाताओं की सुविधा के लिए बैठने, पेयजल, छाया आदि मूलभूत सुविधाएं की गई हैं।

एक लाख 33 हजारों को भेजे जा रहे नोटिस-प्रारूप मतदाता सूची के संबंध में नो मैपिंग वाले मतदाताओं को नोटिस जारी किए जा रहे हैं। नोटिस के पश्चात उनकी निर्धारित स्थानों पर सुनवाई कर मतदाता सूची में नाम शामिल करने और नहीं करने के संबंध में विधिवत आदेश जारी किया जाएगा। जिले में नो मेपिंग वाले मत दाताओं की संख्या 1 लाख 33 हजार 696 है।

नो मेपिंग वाले मतदाता कर सकेंगे दावा-आपत्ति

नो मेपिंग वाले मतदाता निर्धारित दस्तावेजों के साथ निर्धारित स्थानों पर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि 26 जनवरी 1950 से लेकर 1 जुलाई 1987 के बीच जन्म लेने वाले आवेदक को चिन्हित 12 दस्तावेजों में से एक दस्तावेज देना होगा। इसके पश्चात 1 जुलाई 1987 से 2003 के बीच जन्म लेने वाले आवेदक को स्वयं के साथ माता या पिता का दस्तावेज भी देना जरूरी होगा। इसी तरह इसके बाद एक जनवरी 2003 के पश्चात जन्म लेने वाले आवेदक को स्वयं के साथ ही माता-पिता दोनों का भी दस्तावेज प्रस्तुत करना अनिवार्य है।

एक साथ 32 बोरिंग का शुभारंभ, साफ पानी मिलेगा

सांसद शंकर लालवानी के साथ किया शुभारंभ, शनिवार को आक्रोश रैली

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म जयंती पर सुशासन दिवस के अवसर पर विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 1 के रहवासियों को जलसंकट निवारण के अटल संकल्प के साथ स्वच्छ पेयजल की सौगात दी गई। इसके तहत नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के मार्गदर्शन में पूर्व विधायक आकाश विजयवर्गीय एवं सांसद शंकर लालवानी के द्वारा 32 बोरवेल का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए आकाश विजयवर्गीय ने कहा कि जल्द ही विधानसभा 1 जलसंकट से पूरी तरह मुक्त हो जाएगा। पूर्व विधायक विजयवर्गीय ने कहा कि हम क्षेत्र के सभी स्कूलों को आधुनिक सुविधाओं से लेस कर रहे हैं। स्कूलों में एआई लैब का सेटअप लगा रहे हैं, लेकिन एक यह स्थिति भी है कि हमारे क्षेत्र में कुछ लोग जलसंकट का सामना कर रहे हैं। हमारे प्रयासों से क्षेत्र में अधिकतर स्थानों पर नर्मदा जल पहुंच रहा है, लेकिन कुछ जगहों जहां नर्मदा लाइन नहीं है वहां पर बोरवेल जल के माध्यम से रहवासियों को जल आपूर्ति की जाएगी।

शनिवार को निकलेगी आक्रोश रैली: इस अवसर पर बांग्लादेश में हिंदूओं पर हो रहे अत्याचारों को लेकर 27 दिसंबर शनिवार को विशाल आक्रोश रैली के आयोजन का निर्णय किया गया। आक्रोश रैली बड़ा गणपति से शुरू होगी।

पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म जयंती पर नि:शुल्क नेत्र शिविर सम्पन्न

27 मरीजों के नि:शुल्क मोतियाबिंद आपरेशन होंगे

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● सामाजिक संस्था विंध्याचल सोशल ग्रुप के मीडिया प्रभारी एवं शिविर संयोजक डॉ आर एन मिश्रा अनिल त्रिपाठी एवं अनोखीलाल जैन ने बताया कि भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म जयंती के अवसर पर सामाजिक संस्था विंध्याचल सोशल ग्रुप जैन श्वेतांबर सीनियर सिटीजन सोशल ग्रुप एवं चोइथराम नेत्रालय धार रोड के संयुक्त तत्वाधान में नंदबाग स्थित विद्या बारिधि बाल विनय मंदिर स्कूल में नि:शुल्क नेत्र शिविर लगाया गया। शिविर में 285 मरीजों ने अपने आंखों की नि:शुल्क जांचे करवाई। जिसमें से 27 मरीजों में मोतियाबिंद की शिकायत पाई गई। जिनके नि:शुल्क मोतियाबिंद के आपरेशन चोइथराम नेत्रालय धार रोड पर होंगे। साथ ही 145 मरीजों को 50. 50 रुपए में नजर के चश्मे भी दिए गए।। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ समाजसेवी श्यामधर सिंह बघेल,डॉ आर एन मिश्रा, स्कूल संचालक अनिल कुमार त्रिपाठी जैन श्वेतांबर सीनियर सिटीजन ग्रुप के वरिष्ठ अनोखीलाल जैन विंध्याचल सोशल ग्रुप

नंदबाग जोन के जोन राजाराम तिवारी,रामजीत पाण्डेय शिवकुमार तिवारी रमेश शर्मा मुनींद्र पाठक कमल त्रिपाठी तेज सिंह जी बेस पंडित नितेश जोशी सहित अन्य अतिथिगण उपस्थित थे।

अटलजी की जयंती सुशासन दिवस के रूप में मनाई

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर-भाजपा के पित्र पुरुष भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई की जयंती सुशासन दिवस के रूप में मनाई गई। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी विनोद चंदानी ओर जेपी नागर ने बताया कि अटल जी के जन्म शताब्दी वर्ष पर उनकी जयंती सुशासन दिवस के रूप में भाजपा ग्रामीण जिला इंदौर द्वारा जिले के 16 मंडलों के साथ ग्रामीण जिले के 902 बूथों पर जिला अध्यक्ष श्रवणसिंह चावड़ा के मार्गदर्शन में मनाई गई।

इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष श्रवण सिंह

चावड़ा ने किसानों के हित में अटल जी द्वारा शुरू की गई किसान क्रेडिट कार्ड योजना का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इस योजना ने किसानों को सुलभ ऋण उपलब्ध कराने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई। आज मोदी सरकार अटल जी की विरासत को आगे बढ़ाते हुए पीएम किसान सम्मान निधि, फसल बीमा योजना और मृदा स्वास्थ्य कार्ड जैसी अनेक किसान हितैषी योजनाएं लागू कर रही है।

इसी प्रकार ग्रामीण की तीनों विधानसभाओं देपालपुर महू और सांवेर में कार्यक्रम आयोजित किए गए।

देपालपुर विधानसभा में अटल स्मृति सम्मेलन का आयोजन मोहित गार्डन में सांसद शंकर लालवानी के मुख्य आतिथ्य व विधायक मनोज पटेल की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। सम्मेलन में अनेक भाजपाई उपस्थित रहे।

अब दांतों की सटीक जांच होगी आसान, डेंटल कॉलेज में लगेगी सीबीसीटी मशीन

अब का जांच खर्च होगा नाममात्र, दंत उपचार की गुणवत्ता होगी और बेहतर

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● शासकीय दंत चिकित्सालय में इलाज के लिए आने वाले मरीजों को जल्द ही बड़ी राहत मिलने वाली है। दंत रोगों की सटीक जांच और बेहतर उपचार के लिए यहां अत्याधुनिक सीबीसीटी (कोन बीम कंप्यूटेड टोमोग्राफी) मशीन लगाए जाने को मंजूरी मिल गई है। करीब एक करोड़ रुपए की लागत से लगने वाली इस मशीन से दंत चिकित्सा सेवाओं की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार होगा। वर्तमान में सीबीसीटी जांच के लिए मरीजों को निजी जांच केंद्रों या बाजार का रुख करना पड़ता है, जहां इसके लिए 1500 से 2000 रुपए तक शुल्क देना होता है। कई बार आर्थिक तंगी के कारण मरीज यह जांच नहीं करा पाते, जिससे सही समय पर इलाज संभव नहीं हो पाता। अब शासकीय दंत चिकित्सालय में सीबीसीटी मशीन लगने से मरीजों को यह सुविधा नाममात्र शुल्क पर उपलब्ध होगी, जिससे गरीब और मध्यम वर्ग के मरीजों को सीधा लाभ मिलेगा।

सीबीसीटी मशीन से दांत, जबड़े, नसों और हड्डियों की त्रि-आयामी (3डी) स्पष्ट इमेज मिलती है। यह तकनीक खासतौर पर इंप्लांट, रूट कैनाल, जबड़े की सर्जरी, टेढ़े-मेढ़े दांतों और जटिल मामलों की जांच में बेहद उपयोगी मानी जाती है। इससे डॉक्टरों को सटीक डायग्नोसिस में मदद मिलेगी और इलाज ज्यादा सुरक्षित व प्रभावी हो सकेगा। दंत चिकित्सालय प्रबंधन के अनुसार मशीन स्थापना की प्रक्रिया जल्द पूरी की जाएगी। इसके शुरू होते ही न सिर्फ मरीजों को राहत मिलेगी, बल्कि दंत छात्रों को भी आधुनिक तकनीक पर प्रशिक्षण का अवसर मिलेगा। कुल मिलाकर सीबीसीटी मशीन की सौगात से शासकीय दंत चिकित्सालय की सेवाएं एक नए स्तर पर पहुंचेंगी।

निगमायुक्त ने दिए निर्देश- तैयार करें सरकारी जमीनों पर अतिक्रमण की रिपोर्ट

नगर निगम सीमा में आने वाली पब्लिक प्रॉपर्टी पर कभी भी नहीं होने दिया जाएगा अतिक्रमण

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर शहर में पब्लिक प्रॉपर्टी से कब्जे सख्ती के साथ नगर निगम हटाने की प्लानिंग कर चुका है। शहर के किसी भी हिस्से में ऐसी जमीन जो सार्वजनिक उपयोग की है, वहां से कब्जा हटाने की कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए जिला प्रशासन व पुलिस का सहयोग निगम द्वारा लिया जाएगा। नगर निगम आयुक्त ने कब्जा करने वालों को चेतावनी दी है कि वह कठोर कार्रवाई से बचने के लिए अपना कब्जा पहले ही हटा लें, वर्ना नगर निगम उन्हें बख्शेगा नहीं। आयुक्त द्वारा सभी जोन अधिकारियों से सरकारी जमीन पर होने वाले अतिक्रमण और वर्तमान स्थिति की रिपोर्ट जिओ टैगिंग के साथ मांगी गई है। नगर निगम का सबसे अधिक फोकस बड़ी जमीनों पर बनी अवैध बस्तियां और कॉलोनियां हैं।

निगम आयुक्त ने भवन अधिकारी और निरीक्षक को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि वह अपने-अपने क्षेत्र में अवैध कॉलोनी के विकसित होने पर निगरानी रखें। अगर अवैध कॉलोनी विकसित होती है तो बीओ-बीई पर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि इंदौर विकास प्राधिकरण की विभिन्न स्कीमों में शासकीय रोड की जमीन पर कब्जे हैं, जिसके कारण मस्टर प्लान की सड़क बन नहीं पा रही है। सबसे पहले ऐसी अवैध कॉलोनी को हटाकर सड़कों के रास्ते क्लियर किए जाएंगे।

ताकि योजनाएं विकसित करने में बाधा उत्पन्न न हो- इंदौर विकास प्राधिकरण द्वारा भी जमीन के कब्जे हटाने की मुहिम चलाई जा रही है। इसके लिए प्राधिकरण की विभिन्न स्कीमों की जानकारी जहां पर अवैध अतिक्रमण किए गए हैं और योजनाओं में विभिन्न विकास कार्य अतिक्रमण के कारण बाधित हो रहे हैं, उसकी जानकारी नगर निगम के साथ साझा की गई है और संयुक्त रूप से अब इन कार्रवाइयों को अंजाम दिया जाएगा। इंदौर विकास प्राधिकरण की प्राथमिकता है कि सभी स्कीम से अपनी करोड़ों की कीमती जमीन मुक्त करवाए, ताकि इसका लाभ सार्वजनिक तौर पर आम नागरिकों को मिले एवं प्राधिकरण को भी स्कीम की जमीन पर आवासीय योजनाएं विकसित करने में कोई बाधा उत्पन्न नहीं हो।

71.58 करोड़ के आबकारी घोटाले में ईडी की जांच में 3 अधिकारियों के नाम

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मप्र में आबकारी विभाग के सबसे बड़े और चर्चित घोटाले 71.58 करोड़ मामले में ईडी की जांच रिपोर्ट इसमें शराब ठेकेदारों के साथ आबकारी अधिकारियों के नेटवर्क की भी बात सामने आई है। तत्कालीन इंदौर सहायक आयुक्त आबकारी संजीव दुबे का नाम तो है ही साथ ही एक जिला आबकारी अधिकारी (डीईओ) और एक सहायक जिला आबकारी अधिकारी (एडीईओ) का भी नाम है। इसमें ठेकेदारों ने पूछताछ में यह भी बताया है कि यह घोटाले से कमाई राशि का हिस्सा कैसे अधिकारियों के पास जाता था।

दोनों मुख्य आरोपी एसी दुबे के मोहरे इस जांच से यह सामने आया है कि यह घोटाला (इंदौर आबकारी घोटाला) करने वाले मुख्य आरोपी अंश त्रिवेदी और राजू दशंवत तत्कालीन सहायक आयुक्त दुबे के ही मोहरे थे। दोनों को एक-एक कर कई शराब दुकानें आपरेट करने के लिए ठेकेदारों के जरिए मौखिक निर्देशों पर पर दी गई। दुकानें आबकारी नियमों के परे रखकर बिना लिखित करार के दी गई। लेकिन इससे भी बड़ी हैरानी की बात यह है कि ईडी ने आरोपियों में केवल ठेकेदारों को ही लिया है, इसमें दुबे के साथ ही किसी अन्य आबकारी अधिकारी को अभी आरोपी नहीं बनाया गया है। जबकि सुप्रीम कोर्ट के विविध केस (पवन डिबूर वर्सेस ईडी) में भी आया है कि भले ही आरोपी एफआईआर में नहीं हो लेकिन यदि इसमें लाभ पा रहा है तो वह भी आरोपी है। वहीं जांच में आया कि यह घोटाले की राशि आबकारी अधिकारियों के पास जा रही थी।

ऐसे अधिकारियों को जा रही थी राशि- मुख्य आरोपी अंश त्रिवेदी ने जांच के दौरान ईडी को बताया कि- कम राशि का चालान भरकर घोटाले से आई राशि कैश आबकारी अधिकारियों के पास ट्रांसफर कर दी जाती थी। उसके एकाउंटेंट मनोज शर्मा ने दो से ढाई करोड़ की राशि नकद में दिसंबर 2015 से मार्च 2016 तक की एक्साइज ड्यूटी भरने के लिए कन्हैयालाल दांगी को दिए। चालान घोटाले से बची अतिरिक्त नकदी आबकारी अधिकारियों को दे दी गई।

यह तत्कालीन सहायक आयुक्त थे और घोटाले वाले तीन सालों के दौरान यही इंदौर में पदस्थ रहे। ठेकेदार अंश त्रिवेदी और राजु दशंवत व अन्य के बयानों में सीधे तौर पर इनका नाम आया। ठेकेदार अविनाश मंडलोई ने कहा कि दुबे के कहने पर ही राजू दशंवत को दुकानों का कंट्रोल दिया गया था। राकेश जायसवाल ठेकेदार ने कहा कि संजीव दुबे के दबाव में मई 2017 में अपनी जीपीओ दुकान राजू दशवंत को ऑपरेशन के लिए दे दी। इसी तरह राजू दशंवत ने माना कि कई दुकानें मौखिक तौर पर ठेकेदारों की सहमति से बिना किसी लिखित करार के संजीव दुबे के निर्देशन में आपरेट की जा रही थी। ताकि आबकारी राजस्व मिल सके। जिन दुकानों में चालानों के जरिए यह घोटाला हुआ इन्हें आपरेट करने के लिए जिम्मा दुबे द्वारा दिलवाया गया। वह भी आबकारी दुकान ट्रांसफर नियमों के परे जाकर मौखिक तौर पर। दुबे के बाद दूसरे अधिकारी का जो नाम आया है वह है मंदसौर में अभी पदस्थ जिला आबकारी अधिकारी बीएल दांगी। ठेकेदारों ने ईडी को बताया कि इस घोटाले में फर्जी चालान बनाने का काम मुख्य तौर पर कन्हैया लाल दांगी ने किया, यह बीएल दांगी जिला आबकारी अधिकारी के साले हैं। बीएल दांगी के निर्देश पर ही अंश त्रिवेदी ने कन्हैयालाल दांगी को अपने साथ शराब दुकानों पर रखा। तीसरे अधिकारी का जो नाम ईडी की चालान में ठेकेदारों के बयानों में आया है वह है तत्कालीन महू के सहायक जिला आबकारी अधिकारी यानी एडीईओ सुखनंदन पाठक।

सांध्य दैनिक

इंदौर संकेत

2-3 जनवरी को मोहन भागवत भोपाल में युवा संवाद और प्रबुद्धजनों से चर्चा करेंगे, जेपी नड्डा शनिवार को कटनी आएंगे

भोपाल (एजेंसी) ● नए साल की शुरुआत प्रदेश में राजनीतिक और वैचारिक गतिविधियों के साथ होने जा रही है। राजधानी भोपाल में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपने शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में चार बड़े कार्यक्रम आयोजित कर रहा है, जिनमें संघ प्रमुख मोहन भागवत समाज के विभिन्न वर्गों से सीधा संवाद करेंगे। वहीं, प्रदेश के महाकौशल क्षेत्र में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा कटनी में मेडिकल कॉलेज का भूमिपूजन करेंगे।

2 और 3 जनवरी को संघ प्रमुख करेंगे संवाद

नए साल की शुरुआत में आरएसएस चार बड़े वैचारिक और सामाजिक संवाद कार्यक्रमों करने जा रहा है। 2 और 3 जनवरी को आयोजित इन कार्यक्रमों में संघ प्रमुख (सरसंघचालक) मोहन भागवत समाज के विभिन्न वर्गों से संवाद करेंगे। इन आयोजनों के माध्यम से संघ अपने 100 वर्ष पूरे होने के बाद देश और समाज के लिए भविष्य की दिशा और भूमिका को सार्वजनिक रूप से सामने रखेगा।

युवा संवाद में देंगे व्याख्यान

संघ के कार्यक्रमों की शुरुआत 2 जनवरी को होगी। इस दिन दो प्रमुख आयोजन होंगे। पहला युवा संवाद, जिसमें मोहन भागवत भारत को विश्व पटल पर संगठित, सशक्त और समर्थ राष्ट्र के रूप में स्थापित करने में युवाओं की भूमिका पर अपना व्याख्यान देंगे। इस संवाद की विशेषता यह होगी कि भागवत युवाओं के सवालों के सीधे जवाब भी देंगे। इसी दिन प्रबुद्ध जन गोष्ठी का आयोजन किया जाएगा, जिसमें मध्य भारत प्रांत ग्वालियर, भोपाल और नर्मदापुरम संभाग से एक हजार से अधिक प्रतिष्ठित, प्रभावशाली और समाज के अग्रणी लोगों को आमंत्रित किया गया है।

3 जनवरी को होंगे दो कार्यक्रम

3 जनवरी को दो अन्य कार्यक्रम आयोजित होंगे। पहला सामाजिक सद्भाव सम्मेलन, जिसमें मोहन भागवत देश में सक्रिय विभाजनकारी ताकतों और उनके षड्यंत्रों पर संघ का दृष्टिकोण स्पष्ट करेंगे।दूसरा शक्ति (महिला) संवाद कार्यक्रम होगा, जिसमें देश की राजनीति और सामाजिक जीवन में महिलाओं की बढ़ती भूमिका पर संघ की सोच और दिशा को सामने रखा जाएगा।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा कटनी में मेडिकल कॉलेज का भूमिपूजन करेंगे।

शनिवार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा कटनी में प्रस्तावित मेडिकल कॉलेज का भूमिपूजन करेंगे। पांच दिन पहले जेपी नड्?डा ने बैतूल और धार में पीपीपी मोड पर बनने वाले मेडिकल कॉलेजों का भूमिपूजन किया था। रविवार को जबलपुर में मराठी समाज के एक शैक्षणिक समारोह में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडनवीस शामिल होंगे।

न्यूज ब्रीफ

कलश यात्रा के साथ श्रीमद् भागवत कथा की शुरुआत

इंदौर ● नंदा नगर स्थित रोड नंबर 27 पर पंडित स्व.रमाकांत शर्मा शक्करगाये की स्मृति में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा की शुरुआत भव्य कलश यात्रा के साथ हुई 108 मातृशक्तियां सिर पर कलश लेकर शोभायात्रा में निकली, राधे राधे के जयकारों से पूरा यात्रा मार्ग गुंजायमान हुआ। आयोजन प्रमुख तृप्तेश शर्मा व लोकेश शर्मा ने बताया कि कलश यात्रा की शुरुआत पंडितो की उपस्थिति में वेद मंत्रों के बीच पूजन अर्चन के साथ चिंतामण गणेश मंदिर नंदा नगर से हुई यात्रा में महिलाओं ने श्रद्धा के कलश उठाए, भजनों पर महिलाएं नाचते गाते चल रही थी, बग्गी पर भागवताचार्य आनंद कृष्ण व्यास सवार थे। तृप्तेश शर्मा शक्करगाये सपत्नीक भागवत पुराण लेकर आगे आगे चल रहे थे, ढोल, तासे, बैण्ड-बाजे, शंखनाद व जयघोष हो रहा था। यात्रा का जगह-जगह विभिन्न मंचों से स्वागत किया गया।

कोली व समानार्थी समाज के बन्धुओं पर हो रहे अत्याचार पर भी चिंता व्यक्त

इंदौर ● कर्नाटक के बैंगलोर शहर में आयोजित अखिल भारतीय कोली समाज नई दिल्ली की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक 20 दिसम्बर शनिवार को राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेंद्र कश्यप की अध्यक्षता में संपन्न हुई, जिसमें भारत देश के 19 प्रान्तों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। मीटिंग में मुख्यत: अतिथि रूप में पूर्व केंद्रीय मंत्री भानु प्रताप वर्मा एवं विशिष्ट अतिथि सांसद ईट्टला राजेन्द्र की मौजूदगी में मुख्य तौर पर निम्न प्रस्ताव पारित किया गए। भारत के विभिन्न प्रान्तों में निवासरत कोली व समानार्थी समाज की क्षेत्रीय वर्गीकृत उपजातियों के समाधान हेतु एक उच्चस्तरीय समिति गठित किए जाने की मांग की गई। इसी संदर्भ में कोली समाज का प्रतिनिधि मंडल राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री वीरेन्द्र कश्यप के नेतृत्व में कर्नाटक के राज्यपाल श्री थावरचंद गहलोत जी से मिला और कोली समाज व समानार्थी उपजातियों को अनुसूचित जाति की श्रेणी में रखा जाए, इस पर राज्यपाल श्री गेहलोद ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के संज्ञान में लाकर उचित निर्णय लेने का आश्वासन दिया। भारत के सभी प्रान्तों में निवासरत कोली और समानार्थी समाज के बन्धुओं पर हो रहे अत्याचार पर भी गहरी चिंता व्यक्त करते हुए गत दिनों सर्वोच्च न्यायालय के न्यायधीश पर एक वकील द्वारा अभद्र व्यवहार किये जाने की कट्ठ शब्दों में निंदा की गई तथा अपराधी वकील पर कठोर कार्रवाई करने की मांग की गई।

लिव-इन में रह रही युवती ने किया सुसाइड, पार्टनर हिरासत में

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ●सांईकृपा कॉलोनी में एक सप्ताह पहले दोस्त के पास रहने आई 22 वर्षीय युवती ने आत्महत्या कर ली। युवती का शव फंदे पर लटका मिला, जिसके बाद दोस्त ने उसे एमवाय अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की और युवती के दोस्त को हिरासत में ले लिया है। थाना प्रभारी मनोज सेंधव के अनुसार बुधवार रात एमवाय अस्पताल से सूचना मिली थी कि जागृति कर्मा (22) को उसका दोस्त हर्ष पुत्र रोहित मिश्रा अस्पताल लेकर पहुंचा है। जांच के बाद जागृति को मृत घोषित कर दिया। हर्ष ने बताया कि उसने रात करीब 9 बजे जागृति को फंदे पर लटका हुआ देखा था। पुलिस जांच में सामने आया है कि जागृति उज्जैन के एमआईटी कॉलेज में पढ़ाई कर रही थी और मूल रूप से रीवा की रहने वाली थी।

अखिल भारतीय राष्ट्रीय अधिवेशन हेतू मालवा प्रांत का दल रवाना

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● अहमदाबाद मे क्रीडा भारती का अखिल भारतीय राष्ट्रीय अधिवेशन 26 से 28 दिसंबर तक आयोजित किया जा रहा है। जिसमे भाग लेने हेतू मालवा प्रांत के समस्त पदाधिकारी प्रांत सचिव हरीश डागुर जी के नेतृत्व मे रवाना हुए। इसके पुर्व मध्यप्रदेश ओलंपिक संघ अध्यक्ष रमेश मेंदोला जी द्वारा मालवा प्रांत की विवरण पुस्तिका का विमोचन किया गया। इस अवसर पर रवींद्र सिंह गौड,अभय राहुल, शरद चिंचालकर, राजू गौतम, विष्णू वर्मा, मनालाल जी,हरदीप सिंह रुप्पल, प्रवीण मुद्रिस आदि क्रीडा भारती पदाधिकारी उपस्थित थे।

प्रदेश में कटेंगे 32 हजार बिजली कनेक्शन, नगर निगम की नई नीति के तहत होगी कड़ी कार्रवाई

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● शहर में एक ही परिसर में लिए गए दोहरे बिजली कनेक्शनों के खिलाफ अब कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। ऐसे करीब 32 हजार उपभोक्ता चिन्हित किए गए हैं। लगभग एक वर्ष पहले इस विषय पर एसीएस स्तर पर चर्चा के साथ निरीक्षण भी किया गया था, जिसके बाद दोहरे कनेक्शनों को लेकर नई नीति तैयार करने का निर्णय लिया गया। इसी के तहत पिछले एक साल से एक ही परिसर में दूसरा बिजली कनेक्शन देने पर रोक लागू है। अब इन दोहरे कनेक्शनों पर कार्रवाई की विस्तृत रूपरेखा भी तय की जा रही है। अधिकारियों के अनुसार, एक परिसर में दो कनेक्शन की समस्या की सबसे बड़ी वजह सरकारी छूट रही है। पहले मकान मालिक किराएदारों के लिए अलग-अलग बिजली कनेक्शन ले लिया करते थे, लेकिन अब यह व्यवस्था नहीं रही, जिससे हर महीने बिजली बिल को लेकर विवाद की स्थिति बनी रहती है। वहीं, एक ही मकान में विभाजन कर रह रहे भाई या अन्य रिश्तेदार भी अलग बिजली कनेक्शन न मिलने से परेशान हैं। बिल भुगतान को लेकर लगातार विवाद सामने आ रहे हैं, जबकि नए कनेक्शन के लिए अलग रजिस्ट्री की मांग की जा रही है, जो कई मामलों में संभव नहीं हो पा रही है।

अग्रसैन सोशल ग्रुप द्वारा गर्म वस्त्र जरूरत मन्दो की मदद हेतू दान किए

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● अग्रसैन सोशल ग्रुप ने परिचय सम्मेलन के दौरान अपने सदस्यों से एवँ प्रत्याशी अभिभावकों से अपने अतिरिक्त गर्म वस्त्र जरूरतमदों की मदद हेतू दान स्वरूप लेकर आने का अनुरोध किया था। 75 नये वस्त्र ग्रुप ने भी उपलब्ध करवाए। ग्रुप समन्वयक राजेश गर्ग, संचालक शिव जिन्दल, ने बताया की करीब 250 गर्म वस्त्र इकठ्ठा हुए जो भारी ठंड के बीच जरूरतमंदों को उपलब्ध करवा दिये गये। इस अभियान में अध्यक्ष कमलेश मित्तल ,महामंत्री राजकुमार बंसल, संयोजक राजू बंसल एवं विनोद गोयल का योगदान सराहनीय रहा। ग्रुप के अभियान की सभी ने बहुत सराहना की है।

सरयूपारीण ब्राह्मण समाज के परिचय सम्मेलन की तैयारी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● सरयूपारीण ब्राह्मण समाज द्वारा परंपरागत परिचय सम्मेलन का आयोजन 4 जनवरी 2026 रविवार को हंसदास मठ में आयोजित होगा। सरयूपारीण ब्राह्मण समाज की रजनी पांडे, रेखा त्रिपाठी ने बताया कि समाज द्वारा विगत 15 वर्षों से परिचय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है।आगामी 4 जनवरी रविवार को हँसदास मठ,बड़ा गणपति में आयोजित किया जा रहा है। इसमें भोपाल, रतलाम, मंदसौर, खंडवा, खरगोन सहित प्रदेशभर के सरयूपारीण ब्राह्मण बंधु भाग लेगे।अब तक करीब 1000 प्रविष्टि प्राप्त हो चुकी है, जिसमें डॉक्टर इंजीनियर ष्ट उद्योगपति साथ ही शासकीय सेवा वालों की भी प्रविष्ठियां आई है। समाज की जागृति दुबे व रश्मि तिवारी ने बताया कि बाहर से आने वाले समाजजन के ठहरने की व्यवस्था की गई है। इस अवसर पर रंगीन 'चयनिका 'का विमोचन भी किया जाएगा। प्रविष्टियां पूर्णता निशुल्क है। समिति की पुष्पा दुबे प्रिती दुबे ने बताया सम्मेलन में 10 हजार समाज जन के सम्मिलित होगे। परिसर में कुंडली मिलान के लिए पंडित जी व लेपटॉप की व्यवस्था रहेगी साथ ही युवक युवती के परिजनों के चर्चा हेतु अलग-अलग कक्ष भी बनाएं गए हैं।

इंदौर-रीवा फ्लाइट को अयोध्या बनारस ओर प्रयागराज तक बढ़ाया जाए

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● भारतीय जनता पार्टी के कमलेश खंडेलवाल ने कहा इंदौर रीवा फ्लाइट को इंदौर में बसे रीवाचल के 2 लाख से अधिका नागरिकों के लिए बड़ी सौगात बताते हुए उड्डयन मंत्री श्रीराम मोहन नायडू को पत्र लिखकर मांग की है हफ्ते में 3 दिन प्रारंभ की गई सेवा को क्रमश: एक एक दिन अयोध्या, बनारस और काशी तक विस्तारित किया जाए। इंदौर से वर्तमान में इन प्रमुख तीर्थों को इंदौर से डायरेक्ट जोड़ने वाली फ्लाइट उपलब्ध नहीं है।इंदौर रीवा को प्रमुख तीर्थों से जोड़ने पर इंदौर के आसपास के कई जिलों के नागरिकों को पवित्र तीर्थ नगरी जाने की डायरेक्ट फ्लाइट की सौगात मिल जाएगी। कमलेश खंडेलवाल ने बताया पूर्व में इंदौर से उदयपुर अहमदाबाद नासिक किशनगढ़ और अन्य शहरी को जोड़ने वाली कई फ्लाइट प्रयाप्त यात्री नहीं मिलने के कारण बंद हो गई है। इंदौर रीवा विमान सेवा को इन तीर्थ नगरियों से जोड़ने पर जहां आम जनता को सुविधा मिलेगी वहीं पर्याप्त यात्री मिलने से विमान सेवा निर्बाध रूप से संचालित होती रहेगी।

भाजपा ने अंत्योदय के माध्यम से अजा वर्ग के उत्थान का कार्य किया है - परमार

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ●भाजपा अ.जा मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष भगवान परमार आज विभिन्न जिलों के प्रवास अंतर्गत इंदौर पधारे। कार्यक्रम की शुरुआत सभी अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर की गई एवं समस्त अतिथियों का स्वागत मोर्चा के नगर अध्यक्ष दिनेश वर्मा एवं जिला अध्यक्ष राहुल चौहान ने किया। भाजपा कार्यालय पर आयोजित की गई नगर एवं ग्रामीण अजा मोर्चा की संयुक्त बैठक को संबोधित करते हुए भगवान परमार ने उपस्थित कार्यकर्ताओं को भाजपा द्वारा अनुसूचित जाति वर्ग के उत्थान हेतु किए गए कार्यों से अवगत कराते हुए बताया कि भाजपा की सरकारों में समस्त योजनायें समाज के अंतिम पंक्ति के व्यक्ति को ध्यान में रखते हुए बनाई जाकर उनका लाभ भी उन्हें मिले इसकी चिंता की ज़ाती है। अपने संबोधन में उन्होंने यह भी बताया कि किस प्रकार कॉंग्रेस सरकारों द्वारा बाबा साहब अम्बेडकर जी को भारत रत्न नहीं मिलने दिया गया और भाजपा ने उन्हें उनकी मृत्यु के 34 वर्ष उपरान्त प्रदान उन्हें भारत रत्न प्रदान कर उन्हें वह सम्मान दिया जिसके वे असल में हकदार थे। उन्होंने मोर्चा के समस्त पदाधिकारियों से आव्हान किया की अधिक से अधिक संख्या में समाज के व्यक्तियों को भाजपा की रीति नीतियों से जोड़ने का कार्य करें एवं सरकारी योजनाओं का लाभ दिलवाने का कार्य भी मोर्चा बंधु करें।

देपालपुर में बजरंग दल का जोरदार प्रदर्शन

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में प्रधानमंत्री मोहम्मद यूनुस का पुतला दहन

दैनिक इंदौर संकेत

देपालपुर ● बांग्लादेश में हिंदू समुदाय पर लगातार हो रहे अत्याचारों के विरोध में बुधवार को देपालपुर नगर में बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने बांग्लादेश के प्रधानमंत्री मोहम्मद यूनुस का पुतला बनाकर विजय स्तंभ चौक से जुलूस निकाला और चमन चौराहा पर पहुंचकर उसका दहन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने जोरदार 'जय श्री राम' के नारे लगाए और बांग्लादेश सरकार के खिलाफ आक्रोश व्यक्त किया।

- विजय स्तंभ चौक से शुरू हुआ जुलूस पूरे शहर में आकर्षण का केंद्र बना।
- कार्यकर्ताओं ने कट्टर पंथी पुतले को घसीटते हुए बांग्लादेश सरकार की नीतियों का विरोध किया।
- चमन चौराहा पर पुतला जलाए जाने के बाद माहौल में जोश और आक्रोश दोनों देखने को मिला।
- बांग्लादेश में हिंदू समुदाय की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।
- धार्मिक स्थलों और श्रद्धालुओं पर हो रहे हमलों को तुरंत रोका जाए।
- भारत सरकार से मांग की गई कि वह इस मुद्दे पर सख्त रुख अपनाए और बांग्लादेश सरकार पर दबाव बनाए।

इस मौके पर बजरंग दल के जिला सहसंयोजक दिनेश गुर्जर अध्यक्ष राहुल चांदना मंत्री करण शर्मा सयोंजक सीताराम शर्मा बजरंग दल मीडिया प्रभारी दीपक सेन नगर टोली व हिन्दु समाजजन कि उपस्थित रहा पदाधिकारियों ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमले मानवाधिकारों का खुला उल्लंघन हैं। यदि स्थिति पर शीघ्र नियंत्रण नहीं किया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

सांध्य दैनिक इंदौर संकेत

आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं।

दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता

5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर, गुरुद्वारे के सामने, इंदौर

संपर्क: 94250-64357, 94245-83000

सम्पादकीय

50 लाख बच्चों का भविष्य दांव पर, क्या शिक्षा व्यवस्था की सबसे बड़ी नाकामी है बोर्ड परीक्षाओं में विफलता?

अब केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने इसे गंभीर चुनौती मानते हुए ऐसे विद्यार्थियों को दोबारा मुख्यधारा से जोड़ने की पहल की है। इसके तहत राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान को जिम्मेदारी सौंपी गई है कि वह विद्यार्थियों तक पहुंचे और उन्हें पढ़ाई बीच में न छोड़ने के लिए प्रोत्साहित करे। देशभर में लाखों बच्चे अगर परीक्षाओं में विफल हो रहे हैं, तो इसकी वजह क्या है? क्या इसे गंभीर चुनौती मान लेने भर से इस समस्या का निवारण हो जाएगा? क्या यह जानने का प्रयास नहीं होना चाहिए कि शिक्षा में गुणवत्ता आखिर कहां कम रह गई और इसकी वजह क्या थी? विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा नहीं मिल पा रही है, तो जाहिर है कि पूरी व्यवस्था को अब दुरुस्त करने की जरूरत है। केवल चिंता जता देने और सतही कदम उठा लेने भर से काम नहीं चलेगा। फिलहाल तथ्य यही है कि देश में दसवीं और बारहवीं की बोर्ड परीक्षाओं में हर वर्ष करीब पचास लाख विद्यार्थी विफल हो रहे हैं। इनमें अधिकतर विद्यार्थी पढ़ाई छोड़ देते हैं। खासतौर से लड़कियां विद्यालय नहीं लौटतीं। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लड़के परिवार का बोझ उठाने के लिए काम करने लग जाते हैं। यह शिक्षा व्यवस्था की नाकामी तो है ही, वहीं शिक्षित भारत बनाने के लक्ष्य पर भी आघात है। इतनी बड़ी संख्या में विद्यार्थियों की विफलता बताती है कि विद्यालयी शिक्षा को हम गंभीरता से नहीं ले रहे। अब केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने इसे गंभीर चुनौती मानते हुए ऐसे विद्यार्थियों को दोबारा मुख्यधारा से जोड़ने की पहल की है। इसके तहत राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान को जिम्मेदारी सौंपी गई है कि वह विद्यार्थियों तक पहुंचे और उन्हें पढ़ाई बीच में न छोड़ने के लिए प्रोत्साहित करे। मगर सच यह है कि पिछले कई वर्षों से शिक्षा के दूरगामी लक्ष्यों पर ध्यान नहीं दिया गया है। सरकारी विद्यालयों में शिक्षकों का अभाव किसी से छिपा नहीं है। कई राज्यों में तो कहीं-कहीं एक या दो शिक्षकों के भरोसे विद्यालय चलने की खबरें आई हैं। आए दिन शिक्षकों को शिक्षण कार्य से अलग दूसरे कार्यों में लगा दिया जाता है। मध्याह्न भोजन योजना से लेकर जनगणना, आधार सत्यापन और चुनावी कार्य में उन्हें उलझाए रखना कोई नई बात नहीं। ऐसे में बच्चों को शिक्षा देने का मूल कार्य प्राय: हाशिये पर चला जाता है। उनका पाठ्यक्रम तक पूरा नहीं होता और वे पढ़ाई में निरंतर पिछड़ते चले जाते हैं। देश में ऐसा परिदृश्य बन रहा है, तो इसके लिए जिम्मेदार कौन है? सरकार इस स्थिति से अनजान नहीं है। उसे इस दिशा में सतही उपाय करने के बजाय ठोस कदम उठाने होंगे।

भारत तेज़ी से आगे बढ़ रहा है, लेकिन क्या आम भारतीय परिवार भी उसी गति से आगे बढ़ पा रहें है?- एक समग्र अंतरराष्ट्रीय विश्लेषण

भारत आज जब देश वैश्विक मंचों पर आर्थिक शक्ति, तकनीकी नेतृत्व और कूटनीतिक प्रभाव की बात कर रहा है, उसी समय करोड़ों परिवारों के सामने एक साझा चिंता खड़ी है,बच्चों की शिक्षा कितनी महंगी होगी,बीमारी आने पर इलाज कैसे होगा और कैंसर जैसी भयावह बीमारी से कैसे निपटा जाएगा? यही तीन प्रश्न आज भारत की सामाजिक सच्चाई औरनीति-निर्माण की कसौटी बन चुके हैं।भारत इक्कीसवीं सदी के तीसरे दशक में जिस ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ा है, वहां आर्थिक वृद्धि, तकनीकी प्रगति और वैश्विक प्रभाव के साथ-साथ एक बड़ा प्रश्न लगातार उभर रहा है,क्या यह विकास आम नागरिक के जीवन को वास्तव में सुरक्षित, सुलभ और सम्मानजनक बना पा रहा है?मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि किसी भी राष्ट्र की वास्तविक प्रगति का आकलन उसके सकल घरेलू उत्पाद या वैश्विक रैंकिंग से नहीं,बल्कि इस बात से किया जाना चाहिए?कि वहां का एक साधारण परिवार कितनी सहजता से शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी आवश्यकताओं तक पहुंच पा रहा है। भारत में आज सस्ती शिक्षा और सस्ता इलाज केवल नीतिगत मुद्दे नहीं, बल्कि करोड़ों परिवारों के अस्तित्व भविष्य और सामाजिक स्थिरता से जुड़े जीवन-मरण के प्रश्न बन चुके हैं।अभी दो दिन पूर्व आरएसएस के सरसंघ चालक नें भी एक कार्यक्रम में कहा सस्ती शिक्षा व इलाज हर व्यक्ति की जरूरत है,कैंसर मरीज के अलावा उसके परिवार पर भी भयंकर त्रासदी लाता है।सभ्य समाज की आधारशिला - संयुक्त राष्ट्र,विश्व बैंक और विश्व स्वास्थ्य संगठन जैसे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर यह बार-बार स्वीकार किया गया है कि शिक्षा और स्वास्थ्य किसी भी देश की मानव पूंजी का मूल स्तंभ होते हैं।शिक्षा व्यक्ति को सोचने, निर्णय लेने और समाज में योगदान करने की क्षमता देती है, जबकि स्वास्थ्य उसे उस क्षमता का उपयोग करने योग्य बनाता है। यदि इनमें से कोई एक भी कमजोर हो, तो विकास की पूरी संरचना असंतुलित हो जाती है। भारत में समस्या यह नहीं है कि शिक्षा और स्वास्थ्य की नीतियां नहीं हैं, बल्कि यह है कि उनकी लागत आम नागरिक की आय से कहीं अधिक तेजी से बढ़ी है अंतरराष्ट्रीय अनुभव और भारत की स्थिति यह हैं कि फिनलैंड, जर्मनी और नॉर्वे जैसे देशों में शिक्षा को सार्वजनिक निवेश के रूप में देखा जाता है,जहां उच्च शिक्षा तक लगभग नि:शुल्क पहुंच उपलब्ध है।इसके विपरीत भारत में सार्वजनिक शिक्षा संस्थानों की गुणवत्ता और संख्या मांग के अनुपात में कम है, जिससे निजी क्षेत्र को अत्यधिक विस्तार का अवसर मिला। यह स्थिति सामाजिक असमानता को और गहरा करती है, क्योंकि प्रतिभा के बजाय आर्थिक क्षमता शिक्षा के अवसर तय करने लगती है।यह जानकारी मीडिया के संज्ञान से दी गई है।

शिक्षा और स्वास्थ्य विकास नहीं जीवन का प्रश्न हैं, इसको समझने की करें तो, किसी भी देश में शिक्षा और स्वास्थ्य केवल सेवाएं नहीं होतीं,वे नागरिक की गरिमा, अवसर और भविष्य की गारंटी होती हैं। भारत में सस्ती शिक्षा और सस्ता इलाज अब केवल मध्यम वर्ग की मांग नहीं रहे, बल्कि गरीब, निम्न-मध्यम और यहां तक कि स्थिर आय वाले परिवारों के लिए भी जीवन की प्राथमिक जरूरत बन चुके हैं।एक बच्चा यदि पढ़ नहीं पाता, तो उसका भविष्य सीमित हो जाता है। और यदि कोई बीमार पड़ जाए, तो पूरा परिवार आर्थिक और मानसिक संकट में डूब जाता है।महंगी होती शिक्षा: सपनों पर भारी फीस-भारत में शिक्षा को संविधान ने मौलिक अधिकार माना, लेकिन ज़मीनी हकीकत यह है कि अच्छी शिक्षा अब क्षमता से अधिक खर्च मांग रही है।निजी स्कूलों की फीस, किताबें, कोचिंग, प्रतियोगी परीक्षाएं,इन सबने मिलकर शिक्षा को एक दीर्घकालिक आर्थिक दबाव में बदल दिया है।आज एक औसत परिवार अपने बच्चे की पढ़ाई के लिए कर्ज लेने को मजबूर है। यह स्थिति केवल परिवार की बचत नहीं, बल्कि समाज की समानता को भी कमजोर करती है।

स्वास्थ्य सेवा, इलाज या आर्थिक तबाही? इसको समझने की करें तो,भारत में बीमारी केवल स्वास्थ्य संकट नहीं, बल्कि आर्थिक आपदा बन चुकी है। विश्व स्वास्थ्य संगठनों के अनुसार, इलाज पर होने वाला अधिकांश खर्च सीधे परिवार की जेब से जाता है। इसका अर्थ है,एक गंभीर बीमारी पूरे परिवार को वर्षों पीछे धकेल सकती है।सरकारी योजनाएं मौजूद हैं, लेकिन उनकी पहुंच, क्षमता और भरोसे को लेकर अब भी बड़े सवाल बने हुए हैं।कैंसर: एक व्यक्ति की नहीं, पूरे परिवार की लड़ाई-कैंसर आज भारत में तेजी से बढ़ती बीमारी बन चुका है। बदलती जीवनशैली, प्रदूषण, तंबाकू, तनाव और देर से जांच,इन सबने मिलकर कैंसर को राष्ट्रीय चुनौती बना दिया है।कैंसर का इलाज लंबा, महंगा और मानसिक रूप से थकाने वाला होता है। कई बार परिवार का कमाने वाला सदस्य बीमार पड़ता है और दूसरा सदस्य देखभाल के लिए नौकरी छोड़ देता है।इस तरह कैंसर एक व्यक्ति की बीमारी नहीं, बल्कि पूरे परिवार का संघर्ष बन जाता है।रोकथाम ही सबसे सस्ता इलाज-अंतरराष्ट्रीय अनुभव साफ बताते हैं,कैंसर की रोकथाम और समय पर जांच इलाज से कहीं अधिक प्रभावी और सस्ती है।नियमितस्क्रीनिंग,जन-जागरूकता, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों की मजबूती और जीवनशैली में सुधार से कैंसर के खतरे को काफी हद तक कम किया जा सकता है।भारत को अब इलाज-केंद्रित सोच से आगे बढ़कर रोकथाम-केंद्रित स्वास्थ्य नीति अपनानी होगी।भारत में स्वास्थ्य पर होने वाला खर्च दुनिया के कई देशों की तुलना में जेब से सीधे अधिक है। एक गंभीर बीमारी अक्सर केवल रोगी को नहीं, बल्कि पूरे परिवार को आर्थिक रूप से बीमार कर देती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, भारत में हर साल लाखों लोग केवल इलाज के खर्च के कारण गरीबी रेखा के नीचे चले जाते हैं। यह तथ्य अपने- आप में बताता है कि सस्ता इलाज केवल स्वास्थ्य नीति का प्रश्न नहीं, बल्कि गरीबी उन्मूलन और सामाजिक सुरक्षा का अनिवार्य हिस्सा है।कैंसर, एक बीमारी नहीं, एक सामाजिक संकट हैं, पिछले कुछ वर्षों में भारत में कैंसर के मामलों में तेज़ वृद्धि दर्ज की गई है। शहरीकरण, प्रदूषण, असंतुलित आहार, तंबाकू सेवन,तनावपूर्ण जीवन शैली और देर से निदान,ये सभी मिलकर कैंसर को एक राष्ट्रीय स्वास्थ्य आपातकाल के रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं। कैंसर का असर केवल शरीर तक सीमित नहीं रहता; यह परिवार की मानसिक शांति, आर्थिक स्थिरता और सामाजिक संरचना को गहराई से प्रभावित करता है।कैंसर इलाज की लागत और परिवार पर प्रभावभारत में कैंसर का इलाज अत्यंत महंगा है।कीमोथेरेपी, रेडियोथेरेपी और सर्जरी की लागत कई परिवारों की सालों की आय के बराबर होती है। इलाज के दौरान परिवार का कोई सदस्य अक्सर काम छोड़ने को मजबूर होता है, जिससे आय और घट जाती है। इस प्रकार कैंसर एक व्यक्ति की बीमारी न रहकर पूरे परिवार की भयंकर सामूहिक त्रासदी बन जाता है। अगर हम शिक्षा और स्वास्थ्य का सीधा सम्बंध इसको समझने की करें तो,भारत में सस्ती शिक्षा: सपना या सुलभ अधिकार?स्वतंत्रता के समय भारत ने शिक्षा को सामाजिक न्याय का माध्यम माना था। संविधान के अनुच्छेद 21-ए ने शिक्षा को मौलिक अधिकार का दर्जा दिया,किंतु व्यवहारिक स्तरपर उच्च शिक्षा और व्यावसायिक शिक्षा लगातार महंगी होती चली गई। निजी स्कूलों और कॉलेजों की बढ़ती फीस, कोचिंग संस्कृति, और प्रतियोगी परीक्षाओं की लागत ने शिक्षा को एक आर्थिक बोझ में बदल दिया है। आज एक मध्यम वर्गीय परिवार के लिए अपने बच्चे को अच्छी शिक्षा दिलाना कई बार जीवन की सारी बचत और कर्ज पर निर्भर हो जाता है। शिक्षित समाज अधिक स्वास्थ्य- जागरूक होता है।स्वस्थ नागरिक बेहतर शिक्षा और उत्पादकता में योगदान देता है।और जब बीमारी का बोझ कम होता है, तो परिवार शिक्षा, नवाचार और भविष्य पर निवेश कर पाता है।यानें सस्ती शिक्षा और सस्ता इलाज मिलकर एक मजबूत राष्ट्र की नींव रखते हैं।परिवार पर पड़ता तिहरा असर-जब शिक्षा महंगी होती है, इलाज महंगा होता है और कैंसर जैसी बीमारी दस्तक देती है,तो असर केवल एक व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता। (1) परिवार की बचत खत्म होती है (2) बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होती है (3) मानसिक तनाव पीढ़ियों तक असर डालता है,यही कारण है कि ये मुद्दे केवल सामाजिक नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और विकास से जुड़े प्रश्न बन जाते हैं।

साथियों बात अगर हम नीति- निर्माताओं के सामने स्पष्ट संदेश इसको समझने की करें तो,अब समय आ गया है कि(1) शिक्षा को खर्च नहीं, राष्ट्रीय निवेश माना जाए (2) स्वास्थ्य को दया नहीं, अधिकार समझा जाए (3) कैंसर को बीमारी नहीं बल्कि सख्त नीति आपातकाल की तरह देखा जाए। भारत की वास्तविक शक्ति उसके परिवार हैं, और परिवार तभी मजबूत होंगे, जब शिक्षा सुलभ और इलाज सस्ता होगा।भारत की वैश्विक छवि और आंतरिक सच्चाई भारत विश्वगुरु बनने की बात करता है। लेकिन कोई भी देश तब तक नैतिक नेतृत्व नहीं कर सकता, जब तक उसके नागरिक शिक्षा और स्वास्थ्य के लिए संघर्षरत हों।सस्ती शिक्षा, सस्ता इलाज और कैंसर पर ठोस रणनीति यही भारत को केवल आर्थिक नहीं, बल्कि मानवीय महाशक्ति बनाएगी। अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विशेषण करें तो हम पाएंगे कि,अब देरी की गुंजाइश नहीं, सस्ती शिक्षा, सस्ता इलाज और कैंसर की प्रभावी रोकथाम ये तीनों मिलकर भारत की मानव- केंद्रित विकास यात्रा को सही दिशा दे सकते हैं। यही वह रास्ता है, जो भारत को केवल आर्थिक महाशक्ति नहीं,बल्कि एक स्वस्थ, शिक्षित और संवेदनशील राष्ट्र बना सकता है। यदि अभी ठोस, वैज्ञानिक और मानवीय रणनीति नहीं अपनाई गई,तो आने वाले वर्षों में इसकी कीमत केवल आंकड़ों में नहीं, बल्कि टूटते परिवारों और बिखरते सपनों में चुकानी पड़ेगी। सस्ती शिक्षा, सस्ता इलाज और कैंसर की प्रभावी रोकथाम बजट 2026 में ही रणनीति दिखने की जरूरत है यही भारत की अगली बड़ी छलांग का आधार है। ऐसी अपेक्षा हम करते हैं

-संकलनकर्ता लेखक - **किशन सनमुखदास भावनानी,** गोंदिया, महाराष्ट्र

आंचलिक

सोने की ठगी के 2 आरोपी गिरफ्तार नकली आभूषण देकर की वारदात

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन ● पुलिस ने बेड़िया में एक सराफा व्यापारी से धोखाधड़ी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने नकली आभूषणों के बदले असली आभूषण और नकदी ठगी थी। पुलिस ने उनके पास से 17 लाख रुपए नकद और 3 लाख रुपए के सोने-चांदी के आभूषण जब्त किए हैं, जिनकी कुल कीमत 20 लाख रुपए है। एसपी रवींद्र वर्मा ने इस अंतरराज्यीय गैंग का खुलासा किया। आरोपियों ने सराफा व्यापारी दीपक मुछाल से पहले 3-4 बार खरीदारी कर उनका भरोसा जीता था। 28 नवंबर को दो आरोपियों ने बेटी की शादी का बहाना बनाकर उनसे असली आभूषण और 10 लाख रुपए नकद ठग लिए। इसके बदले में उन्होंने 230 ग्राम सोने की बताकर 23 पुतलियां दीं, जिन्हें बाद में छुड़ा लेने की बात कही थी। जांच करने पर ये पुतलियां नकली पाई गईं। धोखाधड़ी का पता चलने के बाद पुलिस ने सराफा दुकान क्षेत्र के 100 से अधिक सीसीटीवी फुटेज खंगाले। साइबर सेल खरगोन की मदद से गैंग के बारे में जानकारी जुटाई गई। जांच में पता चला कि आरोपी पीथमपुर में रहते थे, लेकिन घटना के कुछ दिन पहले ही अपना किराए का कमरा खाली कर फरार हो गए थे।

पुलिस ने आरोपियों की पहचान धर्मेंद्र पिता राजवीर निवासी जौनाई, मथुरा और विजेंद्र पिता राजकुमार निवासी सोहना, गुड़गांव, हरियाणा के रूप में की। बेड़िया थाना प्रभारी धर्मेंद्र यादव ने एक साथ दोनों आरोपियों के घरों पर दबिश देकर उन्हें गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद उनसे 17 लाख रुपए नकद और 3 लाख रुपए के आभूषण बरामद किए गए।

धोखाधड़ी कर फरार हो जाते थे

पुलिस के अनुसार, यह गिरोह जगह बदल-बदलकर सराफा व्यापारियों से बेहतर व्यवहार बनाकर उनका विश्वास जीतता था। फिर किसी मजबूरी का बहाना बनाकर नकली सोने को असली बताकर कम दाम में बेचते थे और धोखाधड़ी कर फरार हो जाते थे। बेड़िया सराफा व्यापारी एसोसिएशन ने पुलिस की इस कार्रवाई की सराहना की और पुलिस फंड में 10 हजार रुपए का इनाम भी दिया।

पत्नी मायके गई तो वापस नहीं लौटी; भूखे रहने के बाद पति ने जान दे दी

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● लव मैरिज के बाद ससुराल वालों द्वारा पत्नी को वापस न भेजने से आहत 22 वर्षीय युवक रोहित जाधव की इलाज के दौरान मौत हो गई। रोहित ने तीन दिन पहले सल्फास खा लिया था और जिला अस्पताल के आईसीयू में जिंदगी और मौत से जंग लड़ रहा था। बुधवार को उसने दम तोड़ दिया। मरने से पहले रोहित ने अपना दर्द बयां किया था कि कैसे शादी के महज 8 दिन बाद उसकी दुनिया उजड़ गई। मामला पुनासा चौकी क्षेत्र के ग्राम नंदखेड़ा रैय्यत का है। रोहित ने 21 दिसंबर को मोरटक्का में जहर खाया था। जहर खाने के बाद वह खुद पुलिस चौकी पहुंचा था और मदद मांगी थी, जिसके बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया था। मृत्यु पूर्व रोहित ने बताया था कि वह पीथमपुर में नौकरी करता था और गांव की ही एक युवती से उसका 5 साल से अफेयर चल रहा था। बालिग होने पर दोनों ने 12 नवंबर को महू के आर्य समाज मंदिर में लव मैरिज कर ली थी। शादी के 8 दिन बाद पत्नी अपने मायके चली गई। तब सास-ससुर ने भरोसा दिया था कि दो महीने बाद बेटी को वापस भेज देंगे। लेकिन समय बीतने पर वे अपनी बात से मुकर गए और साफ कह दिया कि वे बेटी को अब ससुराल नहीं भेजेंगे। युवक ने तनाव के चलते उसने 6 दिन तक खाना-पीना छोड़ दिया था, ताकि उसकी जान निकल जाए।

एमबीबीएस एडमिशन में फीस कम कराने के नाम पर ठगी, नीट क्वालिफाई छात्रा के परिजनों से 9 लाख की ठगी

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● नीट क्वालिफाई छात्रा के साथ एमबीबीएस एडमिशन के नाम पर बड़ी धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। एडमिशन फीस में छूट दिलाने के नाम पर काउंसलर ने परिजनों से 9 लाख रुपए ठग लिए। मामले में टीचर दंपती ने पुलिस से शिकायत की हैं। पहले सायबर सेल में शिकायत की गई, जिसके बाद अब पुलिस ने धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया हैं। थाना मोघट रोड़ पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर मामले को जांच में लिया हैं। शिकायत में छात्रा के परिजनों ने बताया कि, यूपी के नोएडा में रहने वाले एक शख्स ने एडमिशन के बाद फीस में छूट दिलाने के नाम पर धोखाधड़ी की। एडमिशन के लिए जब उस व्यक्ति के साथ कॉलेज गए और वहां हमसे काउंसलर को लेकर पूछताछ की तो हमने काउंसलर का नाम बता दिया। काउंसलर को इस बारे में हमने जानकारी दी तो वो वहां से भाग निकाला।

छात्रा की मां और केस की फरियादी टीचर ने बताया कि, उनकी बेटी ने अच्छे नंबरों से नीट क्वालिफाई किया था। नीट की तैयारी के लिए उसने बारहवीं के बाद एक साल ड्राप लिया था। कुल मिलाकर मकसद था कि एमबीबीएस में एडमिशन मिलें और कम फीस में काम हो जाए। एमएमसी की काउंसिलिंग के दौरान एक सरकारी कॉलेज में बीडीएस कोर्स में सीट मिली। लेकिन बेटी को एमबीबीएस करना था, इसलिए सीट छोड़ दी। इसके बाद राजस्थान के जयपुर नेशनल कॉलेज में एमबीबीएस की सीट मिली। जहां कोर्स का पैकेज एक करोड़ 25 लाख रूपए था।

एडमिशन प्रक्रिया के दौरान कोई गलती ना हो, इसलिए हर कोई काउंसलर हायर करता हैं। मेडिकल एडमिशन के लिए कांउसलर हायर करना आम बात है। हमारा संपर्क नोएडा के रहने वाले अंशु कुमार यादव से हुआ, उन्होंने खुद एनआईटीयन होना बताया। कहा कि उनकी प्राइवेट इन्फोटेक कंपनी है, जो भोपाल से रजिस्टर्ड है। उसने जयपुर नेशनल कॉलेज के संबंधित एक-दो काउंसलर के नाम लिए तो हमें भरोसा हो गया।

अलग अलग किस्तों में लिए रुपए

एक रिश्तेदार से भी उनके सेंटर का विजिट कराया था। बात यह थी कि, जयपुर नेशनल कॉलेज में एमबीबीएस कोर्स का पैकेज एक करोड़ 25 लाख था। काउंसलर ने पैकेज को एक करोड़ 10 लाख रूपए कराना बताया। इसी दौरान सीट बुकिंग के लिए उसने दो लाख रुपए मांगे। हमने दो लाख रुपए ऑनलाइन ट्रांजेक्शन किया। फिर उसने 30 हजार रूपए काउंसलिंग फीस मांगी। वो भी हमने दे दी। इसके बाद 7 लाख रूपए नगद मांगे और कहा कि वह हॉस्टल और काशनमनी भर देगा। फिर कहा कि 18 लाख रुपए आरटीजीएस करवा दो। बताया कि पूरा पेमेंट एक करोड़ 10 लाख रुपए में एडजस्ट हो जाएगा।

काउंसलर कॉलेज से अचानक भाग निकला

हम लोग 10 लाख रुपए लेकर एडमिशन के लिए कॉलेज गए, साथ में कांउसलर भी था। वहां एडमिशन इंचार्ज ने पूछा कि आपका काउंसलर कौन है। हमने बताया कि हमारा काउंसलर अंशु कुमार यादव हैं, जो कि बाहर बैठे हैं। फिर हमने काउंसलर से जाकर कहा कि तुम्हारे बारे में पूछ रहे थे, हमने नाम बता दिया है। यह सुनते ही वह भाग गया, हमें पता चला कि हमारे साथ फ्रॉड हुआ है लेकिन यह पता नहीं था कि वो अचानक भाग जाएगा। काउंसलर के पास यूपी पासिंग ब्लैक स्कार्पियों थी।

खिलाड़ियों ने फाड़े प्रमाण पत्र, खराब इंतजाम को लेकर मेडल फेंककर जताया विरोध

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन ● स्टेडियम मैदान में गुरुवार को सांसद खेल महोत्सव के समापन के दौरान खिलाड़ियों ने अपने प्रमाण पत्र फाड़ दिए और मेडल फेंक दिए। खिलाड़ियों ने पुरस्कार राशि नहीं मिलने पर नाराजगी जताई। खिलाड़ियों का कहना था कि अन्य जिलों में सांसद खेल महोत्सव के दौरान विजेताओं को नकद पुरस्कार दिए गए, जबकि खरगोन में उन्हें सिर्फ प्रमाण पत्र देकर औपचारिकता पूरी की गई। खिलाड़ी हर्षिता यादव और उर्वशी चौहान ने बताया कि बड़वानी जिले में आयोजित सांसद खेल महोत्सव में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर आने वाले खिलाड़ियों को नगद राशि दी गई थी। यहां न तो पुरस्कार राशि दी गई और न ही खेल के दौरान खाने-पीने की समुचित व्यवस्था की गई। विरोध कर रहे खिलाड़ियों ने राज्यसभा सांसद डॉ. सुमेरसिंह सोलंकी से पुरस्कार राशि की मांग की, लेकिन सांसद ने फंड की कमी बताते हुए असमर्थता जता दी। मामले में जिला खेल अधिकारी पवी दुबे ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि खिलाड़ियों के लिए पानी और स्वल्पाहार की व्यवस्था की गई थी। उन्होंने स्पष्ट किया कि खरगोन जिले में पुरस्कार राशि देने का कोई प्रावधान नहीं था और न ही इसके लिए किसी पंपलेट या सूचना में उल्लेख किया गया था।

एएसपी राजेश रघुवंशी बने आईपीएस, एसपी ने कंधे पर लगाया बैज

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) राजेश रघुवंशी को उनकी 27 साल की सेवाओं का बड़ा इनाम मिला है। उन्हें भारतीय पुलिस सेवा कैडर में पदोन्नति मिल गई है। भारत सरकार ने 24 दिसंबर 2025 को इसकी आधिकारिक अधिसूचना जारी कर दी। इस खबर के बाद पुलिस महकमे में खुशी का माहौल है। रघुवंशी 1998 बैच के राज्य पुलिस सेवा के अधिकारी हैं। वे पिछले 27 सालों से मध्य प्रदेश पुलिस में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। उन्हें साल 2013 में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (स्का) के पद पर प्रमोट किया गया था और अब वे आईपीएस अधिकारी बन गए हैं।

प्रमोशन की खबर मिलते ही पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार राय और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) महेंद्र तारनेकर ने राजेश रघुवंशी के कंधे पर आईपीएस का बैज लगाकर उन्हें सम्मानित किया। इस दौरान साथी अधिकारियों ने उन्हें मिठाई खिलाकर बधाई दी। मौके पर नगर पुलिस अधीक्षक अभिनव कुमार बारंगे, उप पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) अनिल सिंह चौहान और अन्य अधिकारी मौजूद रहे। राजेश रघुवंशी के अलावा मध्य प्रदेश के तीन अन्य पुलिस अधिकारियों को भी आईपीएस अवॉर्ड हुआ है। इनमें विक्रांत मुरब, सुरेंद्र कुमार जैन और आशीष खरे शामिल हैं। नोटिफिकेशन के मुताबिक, ये सभी अधिकारी एक साल के लिए परिवीक्षा अवधि में रहेंगे।

आज सीरीज जीतने उतरेंगी महिला टीम

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी) ● आत्मविश्वास से भरी भारतीय टीम अपनी लय बनाए रखते हुए खराब फॉर्म में चल रही श्रीलंकाई टीम के खिलाफ शुक्रवार को तीसरा टी-20 मैच और पांच मैचों की सीरीज जीतने के इरादे से मैदान में उतरेगी। भारत ने विशाखापत्तनम में पहले दो टी-20 मैचों में क्रमशः आठ और सात विकेट से जीत हासिल की है। यह भारत की पिछले 11 टी-20 मैचों में नौवीं जीत है। श्रीलंका ने आखिरी बार भारत को जुलाई, 2024 में दांबुला में हराया था। मेजबान टीम का बल्लेबाजी क्रम काफी मजबूत है और पिछले दोनों मैचों में अलग-अलग खिलाड़ियों ने जीत दिलाई है। पहले मैच में जेमिमा रोड्रिग्स ने शानदार खेल दिखाया था, वहीं दूसरे मैच में शेफाली वर्मा ने टीम को जीत दिलाई। भारत की गेंदबाजी भी उतनी ही दमदार है और स्पिनर्स ने पहले मैच में श्रीलंका को छह विकेट पर 121 और दूसरे मैच में नौ विकेट पर 128 रन पर रोक दिया। युवा एन श्रीचरणी, वैष्णवी शर्मा और क्रांति गौड़ ने अनुशासित और असरदार गेंदबाजी की है। भारतीय टीम को फील्डिंग पर काम करना होगा, क्योंकि पहले मैच में पांच कैच छूटे थे, हालांकि दूसरे मैच में तीन रन आउट किए। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली भारतीय टीम अगले तीन मैचों में अपने प्रदर्शन को और बेहतर करना चाहेगी। दूसरी तरफ श्रीलंका को उम्मीद है कि जगह बदलने से उनकी किस्मत भी बदल जाएगी। हालांकि दोनों टीमों के प्रदर्शन में काफी फर्क है। श्रीलंका को दोनों मैचों में उसके बल्लेबाजों ने निराश किया। पहले मैच में विष्मी गुणरत्ने ने 43 गेंद में 39 रन बनाए, जबकि हसिनी परेरा और हर्षिता आक्रामक पारी नहीं खेल सकीं। दूसरे मैच में चामरी अटापट्टू के आउट होने के बाद श्रीलंका ने 26 रन के अंदर छह विकेट गंवा दिए।

हॉकी एसोसिएशन ने हॉकी सागर टीम को एक तरफा 6-0 से पराजित कर अगले दौर में प्रवेश

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● हॉकी मध्यप्रदेश द्वार दिनांक 24 दिसंबर से बालाघाट मे आयोजित मध्यप्रदेश स्टेट सीनियर पुरुष हॉकी चैंपियनशिप मे आज सुबह हॉकी इंदौर एसोसिएशन व हॉकी सागर टीम के बीच मैच खेला गई जिसमे इंदौर टीम ने सागर टीम को एकतरफा 6-0 से पराजित कर अगले दौर में प्रवेश किया इंदौर टीम ने शुरुआत से ही तेज आक्रमण खेलते हाफ टाइम तक 3-0 से बढ़त बनाए हुए थे हाफ टाइम के बाद हॉकी इंदौर टीम ने फिर आक्रमण शुरुआत की और अपनी टीम को 6-0 से विजय दिलाई। विजयी टीम के ओर से हर्षदीप कूपर ने 3, यश सोलंकी ने 2,व अजय गहलोत ने1गोल किए। इंदौर टीम का अगला मैच शनिवार को होगा। उक्त जानकारी हॉकी इंदौर एसोसिएशन के सचिव किशोर शुक्ला ने दी।

जोकोविच की नजरें ऑस्ट्रेलियाई ओपन पर लगीं

माल्टा (एजेंसी) ● सर्बिया के टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच की नजरें अब अगले साल होने वाले ऑस्ट्रेलियन ओपन पर लगी हैं। इसमें वह रिकॉर्ड 25वां ग्रैंड स्लैम जीतने उतरेंगे। इससे पहले वह एडिलेड इंटरनेशनल में उतरकर अपनी तैयारियों की समीक्षा करेंगे। हैं। इसी को देखते हुए जोकोविच ने नये ट्रेनिंग पार्टनर फ्रांस के आर्थर काजॉक्स के साथ अभ्यास शुरु कर दिया है। इससे काजॉक्स बेहद उत्साहित हैं। इस युवा खिलाड़ी ने लिखा, तीन शानदार दिन, ट्रेनिंग, सीखने और एक महान खिलाड़ी के साथ अनुभव साझा करने का अवसर मिला। बहुत आभारी हूं।

काजॉक्स ने साल 2025 में अपनी करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग 58 हासिल की। उन्होंने एटीपी फाइनल में खेलते हुए कई बड़े खिलाड़ियों को हराया और ग्रैंड स्लैम स्तर पर ऑस्ट्रेलियन ओपन और विंबलडन में दो जीत दर्ज की। इस प्रदर्शन से प्रभावित होकर ही जोकोविच ने उन्हें ट्रेनिंग पार्टनर बनाया है। इस साझेदारी से दोनों खिलाड़ियों को लाभ हो रहा है। जहां जोकोविच एक युवा से खेलकर इससे अपने खेल को और बेहतर बना रहे हैं। वहीं काजॉक्स को एक शीर्ष खिलाड़ी से खेलने के कारण सीखने का मिल रहा है। जोकोविच जैसे खिलाड़ी के साथ अभ्यास करने से काजॉक्स को तकनीक और रणनीति बनाने का भी अनुभव हो रहा है।

कम समय में तमन्ना ने हासिल किया अलग मुकाम

मुंबई (एजेंसी) ● अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने कम समय में अपनी एक्टिंग, डांस और शानदार फैशन सेंस के दम पर अलग मुकाम हासिल किया है। उन्होंने न सिर्फ साउथ सिनेमा में बल्कि बॉलीवुड में भी खुद को साबित कर दिखाया है। छोटी उम्र से ही उनका झुकाव अभिनय की ओर था। महज 16 साल की उम्र में उन्होंने हिंदी फिल्म 'चांद सा रोशन चेहरा' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। हालांकि शुरुआती दौर में उन्हें खास पहचान नहीं मिली, लेकिन तमन्ना ने हार नहीं मानी। उन्होंने साउथ इंडस्ट्री की ओर रुख किया और तमिल व तेलुगु फिल्मों में अपनी मेहनत और प्रतिभा से खुद को साबित किया। एक के बाद एक हिट फिल्मों के साथ वह जल्दी ही साउथ की टॉप अभिनेत्रियों में शुमार हो गईं। साल 2013 में तमन्ना ने 'हिम्मतवाला' के जरिए बॉलीवुड में वापसी की। भले ही यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ज्यादा सफल न रही हो, लेकिन तमन्ना की खूबसूरती, अदाएं और स्क्रीन प्रेजेंस ने दर्शकों का ध्यान जरूर खींचा।

फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' की शूटिंग पूरी

मुंबई (एजेंसी) ● अक्षय कुमार की आने वाली फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' की शूटिंग पूरी हो गई है। अक्षय कुमार ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' का टीजर शेयर किया है। इस वीडियो में अक्षय कुमार, रवीना टंडन, सुनील शेट्टी, अरशद वारसी, तुषार कपूर, जॉनी लीवर, दिशा पटानी, जैकलीन फर्नांडीज, आफताब शिवदसानी और राजपाल यादव सहित कई सितारे नजर आ रहे हैं। सभी ने हाथ में बंदूकें हैं और उन्होंने सुरक्षात्मक गियर पहन रखे हैं। अक्षय कुमार ने इस टीजर के साथ कैप्शन में लिखा, 'वेलकम टू द जंगल की टीम की तरफ से आप सभी को मैरी क्रिसमस। हम 2026 में सिनेमाघरों में आ रहे हैं। मैं अभी तक इतने बड़े प्रोजेक्ट का कभी भी पार्ट नहीं बना हूं, हममें से कोई भी नहीं। हम अपने इस तोहफे को आपके साथ शेयर करने का इंतजार नहीं कर सकते हैं। फाइनली शूट रैपअप हो चुकी है, वेल डन गैंग।'

उज्जैन संभाग

एक जनवरी को भस्म आरती में ऑनलाइन-ऑफलाइन प्रवेश नहीं, सिर्फ चलित भस्म आरती में जा सकेंगे श्रद्धालु

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● नववर्ष पर महाकाल मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए मंदिर समिति ने अगले 12 दिनों के लिए विशेष व्यवस्थाएं की हैं। 25 दिसंबर से 5 जनवरी तक देशभर से करीब 12 लाख श्रद्धालुओं के उज्जैन स्थित श्री महाकालेश्वर मंदिर पहुंचने की संभावना है। इसी को ध्यान में रखते हुए मंदिर प्रशासन ने दर्शन और भस्म आरती की व्यवस्थाओं में कई बदलाव किए हैं। मंदिर समिति के अनुसार 25 दिसंबर से 5 जनवरी तक भस्म आरती की ऑनलाइन बुकिंग बंद रहेगी। इस अवधि में श्रद्धालु केवल ऑफलाइन माध्यम से ही भस्म आरती की बुकिंग करा सकेंगे। हालांकि नववर्ष के पहले दिन 1 जनवरी को होने वाली भस्म आरती के लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह की बुकिंग पूरी तरह बंद कर दी गई है।

श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए मंदिर में प्रवेश व्यवस्था को भी बदला गया है। सामान्य दर्शन, शीघ्र दर्शन टिकट और प्रोटोकॉल के तहत आने वाले श्रद्धालुओं को अलग-अलग द्वारों से प्रवेश दिया जाएगा, ताकि भीड़ को नियंत्रित किया जा सके और दर्शन में किसी तरह की अव्यवस्था न हो। इसके अलावा भस्म आरती में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं के लिए भी विशेष इंतजाम किए गए हैं। भक्तों को भस्म आरती के दौरान तीन अलग-अलग द्वारों से प्रवेश दिया जाएगा।

चलित भस्म आरती में शामिल हो सकेंगे श्रद्धालु

महाकाल मंदिर समिति के प्रशासक प्रथम कौशिक ने बताया कि महाकाल मंदिर समिति ने 25 दिसंबर से 5 जनवरी तक भस्म आरती की ऑनलाइन बुकिंग व्यवस्था को ब्लाक कर दिया है। 1 जनवरी की भस्म आरती ऑफलाइन अनुमति व्यवस्था भी बंद रहेगी। प्रशासक ने कहा कि देशभर से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए चलित भस्म आरती खुली रहेगी। इस दौरान भक्त सुबह लाइन में लगकर भस्म आरती के दर्शन कर सकेंगे। इस दौरान उन्हें पहले से अनुमति भी नहीं लेनी होगी।

भस्म आरती में यहां से मिलेगा प्रवेश

अनुमति लेने के बाद सामान्य दर्शनार्थी का प्रवेश मानसरोवर फैसिलिटी सेंटर से होगा। प्रोटोकाल वाले श्रद्धालु अनुमतिधारी प्रोटोकाल वाले दर्शनार्थी तथा पुजारी, पुरोहित के यजमानों का प्रवेश शहनाई गेट से रहेगा। चलायमान दर्शन भस्म आरती के चलायमान दर्शन करने वाले बिना अनुमतिधारी भक्तों को सुबह 4:30 से 5:30 बजे तक त्रिवेणी संग्रहालय द्वार तथा बड़ा गणेश मंदिर के सामने से मानसरोवर फेसिलिटी सेंटर के रास्ते मंदिर में प्रवेश दिया।

साइबर सेल ने 50 गुम मोबाइल ट्रेस किए एसपी ने मालिकों को फोन लौटाए

दैनिक इंदौर संकेत
आगर - मालवा

● आगर मालवा पुलिस की साइबर सेल ने बड़ी सफलता हासिल की है। टीम ने आधुनिक तकनीक और सतर्क पुलिसिंग की मदद से विभिन्न क्षेत्रों से गुम हुए कुल 50 मोबाइल फोन ट्रेस किए हैं।

गुरुवार दोपहर पुलिस अधीक्षक कार्यालय में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार सिंह ने ट्रेस किए गए सभी 50 मोबाइल फोन उनके वास्तविक मालिकों को सौंपे। यह कार्यक्रम क्रिसमस के अवसर पर आयोजित किया गया था। मोबाइल वापस पाकर लोगों ने राहत महसूस की।

मोबाइल वापस पाने वाले नागरिकों ने आगर पुलिस और साइबर सेल की सराहना की। उन्होंने इस पहल को सराहनीय और जनता का पुलिस पर भरोसा बढ़ाने वाला कदम बताया।

इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रविंद्र कुमार सहित साइबर सेल और पुलिस विभाग के अन्य अधिकारी-कर्मचारी भी मौजूद थे। पुलिस की यह कार्रवाई तकनीकी दक्षता और आम जनता के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

उपभोक्ता दिवस पर पंपलेट्स वितरण कर लोगों को जागरूक किया

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● अखिल भारतीय उपभोक्ता उत्थान संगठन ने बुधवार को शहीद पार्क पर राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस मनाया। इस अवसर पर उपभोक्ताओं के अधिकारों और सजगता पर पंपलेट्स वितरित किए गए। कार्यक्रम का नेतृत्व जिलाध्यक्ष रवि यादव और शहर अध्यक्ष शिवप्रकाश मैहर ने किया। अतिथि राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ओम भारद्वाज, संतोष बनेटिया और आनंद बागोरिया थे। अध्यक्षता जिलाध्यक्ष रवि यादव ने की। यूथ विंग प्रदेश अध्यक्ष अभिषेक भारद्वाज और जिलाध्यक्ष ओजस गुप्ता ने बताया कि उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया।

छात्रा से दरिंदगी, स्कूल वाहन में ड्राइवर ने नाबालिग से किया दुष्कर्म

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● जिले के महिदपुर रोड थाना क्षेत्र में कक्षा 10वीं में पढ़ने वाली नाबालिग छात्रा के साथ स्कूल वाहन के ड्राइवर द्वारा दुष्कर्म का मामला सामने आया है। आरोपी ने छात्रा को कोल्ड्रिंक में नशीला पदार्थ पिलायाइसके बाद वाहन में ही उसके साथ ज्यादती की। इस दौरान मोबाइल से छात्रा के अश्लील फोटो व वीडियो भी बनाए। इसके बाद आरोपी ने फोटो-वीडियो वायरल करने की धमकी दी और छात्रा को घर छोड़कर फरार हो गया।

छात्रा गांव से स्कूल जिस वाहन से आती-जाती थी उसे जुबेर उर्फ गोलू मंसूरी चलाता था। 23 दिसंबर को तबीयत खराब होने पर छात्रा ने घर छोड़ने को कहा, लेकिन आरोपी उसे 5 घंटे तक स्कूल वाहन में घुमाता रहा और दुष्कर्म किया। हिम्मत जुटाकर छात्रा ने परिजनों को पूरी घटना बताई, जिसके बाद परिजन उसे लेकर थाने पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई। पुलिस के अनुसार पीड़िता नागदा के एक निजी स्कूल में पढ़ती है।

मामले की जानकारी मिलते ही हिंदू संगठनों और स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया। बुधवार को नगर बंद का आह्वान किया गया और जगह-जगह विरोध प्रदर्शन हुए। कुछ दुकानों के खुले रहने पर तोड़फोड़ और आगजनी की घटनाएं भी सामने आईं। हालात बिगड़ते देख पुलिस ने अतिरिक्त बल तैनात किया। उज्जैन से भी पुलिस फोर्स और वज्र वाहन मौके पर भेजे गए, जिससे स्थिति को नियंत्रण में लिया जा सका।

पीड़िता के पिता बोले- दरिंदे ने बेटी से राखी बंधवाई थी

आरोपी 9वीं से बेटी को वाहन से स्कूल ले जा रहा था। 10वीं में उसकी हरकतें बढ़ गईं। हमने उसके साथ स्कूल भेजना बंद कर दिया। रक्षाबंधन पर दरिंदे ने मेरी बेटी से राखी बंधवाई और कहा- मैं गलत नहीं हूं।

न्यूज ब्रीफ

देर रात युवक की चाकू मारकर हत्या

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर के आजाद नगर क्षेत्र में गुरुवार देर रात एक युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। देर रात उसके दोस्त उसे घायल अवस्था में एमवाय अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि दिन में उसका किसी से विवाद हुआ था। पुलिस मामले की जांच कर रही है। टीआई लोकेश भदौरिया के मुताबिक मृतक का नाम नीरज गंगराडे है। लाल पेट्रोल पंप के पास उस पर हमला किया गया था। दोस्त उसे गंभीर हालत में रात करीब दो बजे एमवाय अस्पताल लेकर आए थे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर रात में ही डीसीपी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

डिजिटल युग में न्याय प्रक्रिया को मिली गति

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेयी जी के जन्मदिवस को 'सुशासन दिवस' के रूप में मनाए जाने की परंपरा के अनुरूप, मध्यप्रदेश पुलिस ने सुशासन को सशक्त करने की दिशा में नवाचार के रूप में 'ई-जीरो एफआईआर' व्यवस्था प्रारंभ की है। यह व्यवस्था 01 लाख रुपये से अधिक की सायबर वित्तीय धोखाधड़ी के मामलों में लागू की गई है। 'ई-जीरो एफआईआर' व्यवस्था प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'सायबर सुरक्षित भारत' विज़न के अनुरूप है, जिसका उल्लेख उन्होंने अक्टूबर 2024 में 'मन की बात' कार्यक्रम में किया था। केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के मार्गदर्शन में देशभर में सायबर अपराध से निपटने के लिये ऐतिहासिक एवं तकनीक-आधारित कदम उठाए जा रहे हैं। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा ई-जीरो एफआईआर प्रणाली के क्रियान्वयन से यह स्पष्ट होता है कि तकनीक के माध्यम से न्याय प्रक्रिया को तेज और आम नागरिकों के लिए अधिक सरल, सुलभ और प्रभावी बनाया जा सकता है।

मेट्रो ट्रेन स्टेशनों और कंस्ट्रक्शन के कार्यों का रक्षा अनुसंधान की टीम ने किया निरीक्षण

कमर्शियल के लिए सीएमआरएस की हरी झंडी का इंतजार

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मेट्रो ट्रेन स्टेशनों और कंस्ट्रक्शन कार्यों का टीम ने गुरूवार को निरीक्षण किया। टीम ने सुपर कॉरिडोर से रेडिसन चौराहे के बीच प्रस्तावित व्यावसायिक रूट का दौरा किया। इसी रूट पर मेट्रो का कमर्शियल रन शुरू किया जाना है। निरीक्षण के दौरान टीम ने ट्रैक, स्टेशन स्ट्रक्कर, सेफ्टी सिस्टम और पर्यावरण से जुड़े पहलुओं पर विशेष ध्यान दिया। डीआरडीओ (रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन) की टीम ने इंदौर पहुंचकर मेट्रो ट्रेन स्टेशनों और कंस्ट्रक्शन कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान टीम ने साइट पर चल रहे कार्यों को नजदीक से देखा और मेट्रो अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। अब मेट्रो के व्यावसायिक संचालन के लिए केवल सीएमआरएस (कमिश्नर ऑफ मेट्रो रेलवे सेफ्टी) की हरी झंडी का इंतजार है। मैट्रो अधिकारियों के अनुसार डीआरडीओ के 22 जोन पर तैनात समस्त जोनल अफसरों की बैठक ली थी, तब उन्होंने निगम अफसरों को निर्देशित किया कि अपने जोन क्षेत्र में सराफा और 56 दुकान की तरह चाट-चौपाटी डेवलप करें। टीम ने सुपर कॉरिडोर से रेडिसन चौराहे के बीच प्रस्तावित व्यावसायिक रूट का दौरा किया। इसी रूट पर मेट्रो का कमर्शियल रन शुरू किया जाना है। निरीक्षण के दौरान टीम ने ट्रैक, स्टेशन स्ट्रक्कर, सेफ्टी सिस्टम और पर्यावरण से जुड़े पहलुओं पर विशेष ध्यान दिया। बताया जा रहा है कि डीआरडीओ का यह दौरा मुख्य रूप से पर्यावरण और

तकनीकी मानकों को ध्यान में रखते हुए किया गया था। टीम ने सभी जरूरी सिस्टम की जानकारी ली और मौके पर ही कुछ सुझाव भी दिए। मेट्रो प्रबंधन का कहना है कि डीआरडीओ की रिपोर्ट जल्द ही फाइनल हो जाएगी।

इंदौर के बढ़े हुए मेट्रो ट्रेन के अंडरग्राउंड हिस्से को केंद्र सरकार की तरफ से अनुमति मिलने के बाद अब प्लानिंग में अफसरों ने बदलाव की तैयारी शुरू कर दी है। इसे लेकर उन्होने स्टेशनों का निरीक्षण भी किया। मेट्रों के अधिकारियों ने एक और स्टेशन को शुरू करने के लिए बने हुए स्टेशनों का निरीक्षण किया। पहले सात अंडरग्राउंड मेट्रो स्टेशनों की प्लानिंग थी। इसमें एक स्टेशन और बढ़ सकता है। तीन किलोमीटर अंडरग्राउंड ट्रेक ज्यादा होगा। इस तरह 9 के बजाए 12 किलोमीटर मेट्रो ट्रेक की अंडरग्राउंड लंबाई होगी। हाल ही में इंदौर के विकास कार्यों की बैठक में इसकी मंजूरी दी थी और प्रस्ताव केंद्र सरकार के पास भेजा था। केंद्र की तरफ से अंडरग्राउंड हिस्से की मंजूरी की घोषणा भी हो चुकी।

यह होगा बदलाव-इंदौर में कुल 29 मेट्रो स्टेशन है। इनमें से सात अंडरग्राउंड स्टेशन बनना थे। इसमें एक स्टेशन बंगाली कॉलोनी की तरफ बढ़ेगे। खजराना की तरफ से स्लोप में मेट्रो अंडरग्राउंड होगी। पांच स्टेशन सुपर कॉरिडोर से गांधी नगर के बीच है। यह स्टेशन यलो लाइन पर बनेंगे। फिलहाल 16 स्टेशन निर्माणाधीन है। अंडरग्राउंड रुट में एयरपोर्ट से बंगाली कॉलोनी तक का हिस्सा शामिल है। अभी मल्हारगंज, नगर निगम, रीगल, एयरपोर्ट सहित अन्य स्थानों पर अंडरग्राउंड स्टेशन बनाने के लिए परीक्षण हो चुका है। एयरपोर्ट और नगर निगम वाले हिस्से में अंडरग्राउंड स्टेशन के लिए खुदाई भी शुरू हो चुकी है।

17 किलोमीटर में ट्रॉयल रन-गांधी नगर से रेडिसन चौराहा तक 17 किलोमीटर लंबाई में मेट्रो का ट्रायल रन हो चुका है। मार्च तक मेट्रो के संचालन की तैयारी है। अफसरों की टीम भी इसके लिए दौरा कर चुकी है। अभी छह किलोमीटर हिस्से में मेट्रो का संचालन हो रहा है, लेकिन इस हिस्से में यात्री नहीं मिल रहे हैं। नए स्टेशन बनने से यात्री बढ़ने की उम्मीद है।

अप्रैल के पूर्व प्राचार्यों को अपने स्कूलों में करवाना होगा सुधार का कार्य

- अब अप्रैल के पहले देना पड़ेगा सभी प्राचार्यों को स्कूलों की बेहतरी से संबंधित प्रमाण पत्र
- अगर कहीं पर जर्जर स्थिति है तो उसका भी प्रमाण पत्र में करना होगा उल्लेख

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● मौजूदा सत्र में सभी हायर सैकेण्डरी और हाईस्कूलों में जो मरम्मत के कार्य हुए हैं। उसका प्रमाण पत्र संकुल प्राचार्यों को देना होगा। अगर कहीं अभी भी जर्जर स्थिति है तो उसका उल्लेख भी प्रिंसपल को करना होगा। जिला पंचायत के निर्देश पर शिक्षा अधिकारी कार्यालय यह

सर्टिफिकेट ले रहा है।

इस वर्ष मरम्मत की राशि जारी होने के बाद भी कई स्कूलों की पोल बारिश ने खोली है। वर्षा में कई स्कूल टपके तो कुछ में बच्चों को परेशानियां हुई हैं। बरखेड़ा पठानी में तो जर्जर छत का पलस्तर कक्षाओं में गिरा। जिसमें छात्राएं चोटिल हुई थीं। प्राचार्य को नोटिस भी दिया गया, लेकिन अभी भी स्थिति में सुधार नहीं हुआ है। अनेक स्कूलों में तो स्थिति जर्जर होने के कारण छुट्टी भी करनी पड़ी। आगे ऐसा न हो नतीजतन जिला पंचायत के निर्देश पर सभी स्कूलों के प्राचार्यों से स्कूलों की बेहतरी का प्रमाण पत्र मांगा गया है। प्राचार्यों को इसमें यह उल्लेख्चा करना होगा कि उनके यहां मरम्मत की कोई जरूरत नहीं है। यदि आवश्यकता है तो प्राचार्य को यह दर्शाना होगा कि कहां पर कौन सी मरम्मत की जरूरत है। अप्रैल के पूर्व सभी प्राचार्यों को यह स्थिति प्रमाण पत्र में बिंदुवार बताना होगी। इस संबंध में जिला पंचायत ने डीईओ भोपाल को निर्देश दिए हैं। सत्र के पूर्व सुधार के निर्देश: अप्रैल से स्कूल शिक्षा का नवीन सत्र प्रारंभ होने जा रहा है। इसके पूर्व सभी स्कूलों में प्राचार्यों को हर व्यवस्था में सुधार करना होगा। जहां जर्जर मरम्मत की जरूरत है, वहां पर सुधार करना होगा। इसके लिए विकल्प दो रखे गये हैं। यदि विद्यालय में आकस्मिक निधि की राशि है तो उससे सुधार करवाना होगा। यदि निधि नहीं है तो फिर विभाग को प्रस्ताव भेजना होगा। ताकि समय रहते यहां से मेन्टेनेंस के लिए राशि जारी की जा सके।

एबीवीपी के उपाध्यक्ष का बाथरूम में नकल करते वीडियो वायरल

जयस ने उठाए सवाल, लगाए गंभीर आरोप

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर का होलकर साइंस कॉलेज शहर ही नहीं प्रदेश में अपने अनुशासन के लिए जाना जाता है। यहां से एक वीडियो वायरल हुआ है, जिसने कॉलेज की व्यवस्था पर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। कॉलेज के बाथरूप से छात्र नेता का एक वीडियो वायरल हुआ है। इसमें वो परीक्षा में नकल करते हुए नजर आ रहे हैं। इस वीडियो को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक इंदौर होलकर विज्ञान महाविद्यालय से जुड़ा एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वीडियो में दिखाई दे रहा शख्स एबीवीपी का पदाधिकारी बताया जा रहा है। वीडियो में साफ तौर पर देखा जा सकता है कि संबंधित व्यक्ति कॉलेज के बाथरूम में नकल करते हुए नज़र आ रहा है। इतना ही नहीं, वीडियो में वह यह भी कहता हुआ सुनाई देता है कि इस कृत्य में टीचर भी उनकी मदद कर रहे हैं। इस वीडियो ने शिक्षा व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए हैं। वीडियो में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है कि-नेताजी के हौसले बुलंद हैं। नियम-कानून की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं।

मेहनती और ईमानदार छात्रों के भविष्य के साथ मज़ाक किया जा रहा है।

कड़ी कार्रवाई की मांग

यह मामला केवल एक व्यक्ति तक सीमित नहीं है, बल्कि यदि आरोप सत्य हैं तो यह पूरी परीक्षा प्रणाली और कॉलेज प्रशासन की जवाबदेही पर गंभीर सवाल खड़ा करता है। हम कॉलेज प्रशासन एवं संबंधित विश्वविद्यालय से मांग करते हैं कि इस पूरे मामले की तत्काल, निष्पक्ष और पारदर्शी जांच कराई जाए तथा दोषी पाए जाने वाले व्यक्तियों-चाहे वे छात्र हों या शिक्षक-पर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

उमेश शाहरा के रुचि ग्रुप पर ईडी के इंदौर और मुंबई में छापे, 23 लाख जब्त, 58 करोड़ के बैंक लोन का मामला

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● ईडी इंदौर ने रुचि ग्रुप पर छापे मारे है। रुचि ग्रुप को स्वर्गीय कैलाश चंद्र शाहरा और उमेश शाहरा ने स्थापित की थी। यह छापे 23 व 24 दिसंबर के दौरान इंदौर व मुंबई में किए गए। रुचि ग्रुप से जुड़े बैंक धोखाधड़ी मामलों की जांच की गई है। जांच के सिलसिले में इंदौर और मुंबई में कई जगहों पर PMLA, 2002 के तहत तलाशी अभियान चलाया गया। जांच के दौरान ईडी टीम उमेश शाहरा और कंपनी के सीए ईश्वर कलंत्री के ठिकानों पर भी गई।

जांच में 23 लाख रुपए जब्त

तलाशी अभियान के दौरान, आरोपी और उनके परिवार के 20 लाख रुपए से ज्यादा के बैंक बैलेंस फ्रीज किए गए। इसके अलावा 23 लाख रुपए से ज्यादा नकद और डिजिटल डिवाइस जब्त किए गए। साथ ही आपत्तिजनक रिकॉर्ड भी मिले, जिसे जब्त कर लिया गया।

भोपाल सीबीआई ने रुचि ग्रुप की कंपनियों पर 58 करोड़ के बैंक लोन धोखाधड़ी का केस दर्ज किया था। इनमें रुचि ग्लोबल लिमिटेड (अब, एग्रोट्रेड एंटरप्राइजेज लिमिटेड), रुचि एक्रोनी इंडस्ट्रीज लिमिटेड (अब, स्टीलटेक रिसोर्सेज लिमिटेड) और आरएसएएल स्टील प्राइवेट लिमिटेड (अब, एलजीबी स्टील प्राइवेट लिमिटेड) शामिल हैं। ईडी ने इसी कसे को मनी लाण्ड्रिंग एक्ट के तहत जांच में लिया है। इन कंपनियों को स्वर्गीय कैलाश चंद्र शाहरा और उमेश शाहरा ने शुरू किया था। आरोप है कि इन कंपनियों ने लोन राशि का गबन किया और हेराफेरी की।

ईडी की जांच में यह हुआ खुलासा

ईडी की जांच में इस साजिश का पर्दाफाश हुआ। इसमें कई फर्जी कंपनियां बनाकर लेन-देन में हेराफेरी की गई। डिफॉल्ट करने वाली कंपनियों और फर्जी संस्थाओं ने निजी लाभ के लिए धन का दुरुपयोग किया।

इसके अलावा, फर्जी बिक्री और खरीद दर्ज की गई। साथ ही, ऋण की राशि को हड़पने के लिए जानबूझकर नुकसान पहुंचाया गया। इस धोखाधड़ी से प्राप्त अपराध की राशि को छिपाया गया। अभी आगे की जांच जारी है।

एआई के चलते छंटनी ने इंदौर के दंपति को अपराध की दुनिया में धकेला

पुलिस का कहना है कि नौकरी छूटने और आर्थिक तंगी ने बंटी बबली से प्रेरित होकर 15 लाख रुपये के आभूषण चुराए

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर पुलिस ने शहर के एक आभूषण की दुकान से लगभग 15 लाख रुपये के आभूषण चोरी करने के आरोप में एक दंपति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी, जो शिक्षित युवक हैं, कथित तौर पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बढ़ते उपयोग के कारण हुई छंटनी में अपनी नौकरी खोने के बाद अपराध की दुनिया में कदम रखा।

चोरी की घटना राउ क्षेत्र की पॉश रिहायशी कॉलोनी सिलिकॉन सिटी में हुई। पुलिस ने बताया कि यह अपराध बॉलीवुड फिल्म बंटी और बबली से प्रेरित था, लेकिन स्पष्ट किया कि आरोपी आदतन अपराधी नहीं थे।

आरोपियों की पहचान 18 वर्षीय प्रियांशु और अंजना के रूप में हुई है, दोनों मंडला जिले के निवासी हैं। पुलिस के अनुसार, दोनों छठी कक्षा से एक-दूसरे को जानते हैं और घटना के समय इंदौर में साथ रह रहे थे।

प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, पुलिस उपायुक्त (जोन एक) कृष्णा लालचंदानी ने बताया कि प्रियांशु इंदौर में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज में ग्राफिक डिजाइनर के रूप में कार्यरत थे। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बढ़ते उपयोग के कारण हाल ही में हुई छंटनी में उनकी नौकरी चली गई।

अंजना वर्तमान में इंदौर में रहकर NEET परीक्षा की तैयारी कर रही हैं। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि आर्थिक दबाव और व्यक्तिगत जरूरतों के कारण दोनों ने चोरी की योजना बनाई।

पुलिस ने बताया कि आरोपियों ने चोरी करने से लगभग एक सप्ताह पहले सिलिकॉन सिटी स्थित श्री ज्वैलर्स की रेकी की थी। दुकान की बनावट और कामकाज को समझने के लिए उन्होंने कुछ दिन पहले उसी दुकान से गहने भी खरीदे थे। निगरानी के लिए दोनों ने उस दंपति के स्कूटर का इस्तेमाल किया, जिनके साथ वे रह रहे थे। यह स्कूटर बाद में जांचकर्ताओं के लिए एक अहम सुराग साबित हुआ।

सराफा बाजार में गहने बेचने की कोशिश नाकाम-लगभग 15 लाख रुपये के गहने चुराने के बाद आरोपियों ने इंदौर के सराफा बाजार में गहने बेचने की कोशिश की। हालांकि, व्यापारियों ने उन्हें चोरी का समझकर खरीदने से इनकार कर दिया।

भोपाल रेलवे स्टेशन पर गिरफ्तारी-मोबाइल लोकेशन ट्रैकिंग की मदद से पुलिस ने आरोपियों का पता लगाया और उन्हें भोपाल रेलवे स्टेशन पर गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने बताया कि चोरी के सभी गहने उनके पास से बरामद कर लिए गए हैं।

थानों की लापरवाही के चलते हाईकोर्ट ने पुलिस कमिश्नर को किया तलब

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर पुलिस के एक के बाद एक सामने आ रहे कांड ने खाकी पर दाग लगाने मे कोई कसर नहीं रखी है। थानों में हो रही लापरवाही और मनमर्जी के चलते इंदौर में दबंग आईपीएस का तमगा पाए हुए पुलिस कमिश्नर संतोष सिंह लगातार हाईकोर्ट बुलाए जा रहे हैं। टीआई इंद्रमणि पटेल की कार्यशैली ने तो उन्हें सुप्रीम कोर्ट तक में पक्षकार बनवा दिया है। अब मामला आजादनगर थाना पुलिस का आया है, जिसमें हाईकोर्ट ने पूरी पुलिस के काम के तरीके के साथ ही राज्य शासन द्वारा सुप्रीम कोर्ट में दिए हलफनामे को कठघरे में खड़ा कर दिया है। अब सीपी को 12 जनवरी को हाईकोर्ट ने बुलाया है।

यह है घटनाक्रम-एक 29 वर्षीय युवती ने 13 अगस्त को आत्महत्या कर ली। युवती के माता-पिता ने आरोप लगाया कि वह विकास बघेल पिता लाखन सिंह विदिशा के साथ दो-तीन साल से रिलेशनशिप में थी। शादी की बात के लिए विकास ने कहा था कि घरवाले मेरे माता-पिता से बात कर लें।

जब युवती के परिजन बात करने 12 अगस्त को गए तो विकास के माता-पिता ने कहा कि उसके तो 17 लड़कियों से संबंध है। शादी करना है तो 50 लाख दहेज में दो। इसके बाद लड़की ने विकास से बात की लेकिन उसने परिवार की ही बात दोहराई। लड़की ने 13 अगस्त को सुसाइड कर लिया। इसमें युवती के परिजन ने लड़के के साथ ही उसके माता-पिता पर आत्महत्या के लिए उकसाने का केस दर्ज करने की मांग की और शिकायत की। तब टीआई आजादनगर तिलक करोले थे।

अब पुलिस ने यह किया कांड-पुलिस ने इसमें केस ही दर्ज नहीं किया और माममला टालमटोली करती रही। हालत यह कि युवती का मोबाइल तो

लिया लेकिन फारेंसिंक जांच में नहीं भेजा और आरोपी विकास का तो मोबाइल जब्त ही नहीं किया जो अहम साक्ष्य था। टीआई तिलक करोले के ट्रांसफर के बाद सितंबर अंत में लोकेश सिंह भदौरिया टीआई बने। आखिरकार घटनाक्रम के करीब दो माह बाद 9 अक्टूबर को इसमें केस दर्ज हुआ लेकिन आरोपी केवल विकास को बनाया और उसके माता-पिता को छोड़ दिया। मोबाइल जब्त नहीं होने के खिलाफ युवती के परिजन ने जिला कोर्ट में अधिवक्ता संतोष यादव व विकास यादव के जरिए याचिका लगाई, तब कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने इसे जब्त किया, यानी साक्ष्य नष्ट करने का पूरा समय पुलिस ने आरोपी को दिया। एफआईआर के ही दिन आरोपी विकास को 9 अक्टूबर को गिरफ्तार किया और फिर तीन दिन में ही बिना फारेंसिंक रिपोर्ट के जांच अधिकारी सब इंस्पैक्टर अमोष वसुनिया ने चालान पेश कर दिया। हाईकोर्ट ने अपने आदेश में विस्तृत तौर पर लिखा कि इसी कोर्ट द्वारा अगस्त 2024 में एक केस में गंभीर मामलो में सीनियर अधिकारियों के सुपरवीजन करने के आदेश दिए गए थे। इसमें राज्य शासन सुप्रीम कोर्ट तक गई और हलफनामा दिया था। इसके बाद भी गंभीर मामलों में सीनियर अधिकारी सुपरवीजन नहीं कर रहे हैं जो सुप्रीम कोर्ट की अवमाननना है और हलफनामा सुप्रीम कोर्ट की आंखों में धूल झोंकने जैसा है। यह लगातार देखा जा रहा है। इस मामले में पुलिस कमिश्नर 12 जनवरी को उपस्थित होकर बताएं इसके लिए वह क्या कर रहे हैं। सीनियर अधिकारियों द्वारा गंभीर केस में सुपरवीजन करने के मामले में केस सुप्रीम कोर्ट तक गया।

पुलिस पर इस तरह से भड़का हाईकोर्ट

हाईकोर्ट में आरोपी विकास की जमानत याचिका पर आपत्ति जताई गई। युवती के परिजनों की तरफ से वकील मनीष यादव ने पैरवी की। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस ने जांच में चूक की है। इसके अलावा, आरोपी के माता-पिता ने 50 लाख का दहेज मांगा था, फिर भी आरोपी को गिरफ्तार नहीं किया गया। जब जस्टिस सुबोध अभ्यंकर ने जांच अधिकारी सब इंस्पैक्टर वसुनिया से पूछा, तो उन्होंने कहा कि कोई सीनियर अधिकारी जांच पर नजर नहीं रख रहा था। हाईकोर्ट ने कहा कि जांच में लापरवाही हो रही है। उन्होंने केस डायरी में कॉल डिटेल और अन्य तथ्य नहीं होने पर नाराजगी जताई। इस पर हाईकोर्ट ने कहा कि यह सरासर जांच में गंभीर लापरवाही है और यह लगातार केस में देखने में आ रहा है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : अक्षय तिवारी द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरूद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।